CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/4/2

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 1 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1(a). **बढ़ी है इस बार गंगा खूब**
दियारो पर गाँव कितने हो गए हैं डूब
किंतु हम तो शहर की इस छोर पर हैं
देखते हैं रात-दिन जल-प्रलय का ही दृश्य
पत्थरों से बँधी गहरी नींववाला
किराए का घर हमारा रहे यह आबाद
पुराना ही सही पर मजबूत
रही जिसको अनवरत झकझोर
क्षुब्ध गंगा की विकट हिलकोर
सामने ही पड़ोसी के —
नीम, सहजन, आँवला, अमरूद
हो रहे हैं आकंठ जल में मग्न
रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न
दूधिया पानी बना उनका रजत परिधान
रेलगाड़ी के पसिंजर खड़े होकर
खिड़कियों से झाँकते हैं
देखते हैं बाढ़ का यह दृश्य
उधर झूँसी इधर दारागंज
बीच का विस्तार
बन गया है आज पारावार
भगवती भागीरथी
ग्रीष्म में यह हो गई थी प्रतनु-सलिला
विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश
जिसको देखते ही व्यथा से अवसन्न होते रहे मेरे नेत्र
रिक्त ही था वरुण की कल-केलि का यह क्षेत्र
काकु करती रही पुल की प्रतिच्छाया, मगर यह थी मौन
उस प्रतनुता से अरे इस बाढ़ की तुलना करेगा कौन ? [5 अंक]

1(a)(i). **'रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न' पंक्ति के आधार पर पुल के स्तंभों के नग्न न रह पाने का कारण है :** [1 अंक]

(A) गंगा नदी का तेज बहाव
(B) गंगा नदी का मटमैला पानी
(C) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर
(D) गंगा नदी का रेतीला पानी

सही उत्तर: (C) गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर

हल:

अवधारणा:

- कविता में बाढ़ के कारण नदी का जल-स्तर बढ़ने और वस्तुओं के डूबने का वर्णन है। किसी स्तंभ का नग्न न रहना उसके खुले भाग का जल से ढक जाना है।
- उत्तर चुनते समय कविता के स्पष्ट कथन को प्राथमिकता दें और अधूरे अथवा असंगत विकल्पों को अलग करें।

चरण 1: पाठ में प्रमाण पहचानें कवि कहता है, 'रह न पाए स्तंभ पुल के नग्न'। इसके ठीक बाद पानी को उनका परिधान कहा गया है।

इसलिए स्तंभों को जल ने ढक लिया है।

चरण 2: विकल्पों का अंतर समझें तेज बहाव जल की गति बताता है, स्तंभों का ढकना नहीं। मटमैला या रेतीला पानी जल के रंग अथवा उसमें मिली सामग्री का संकेत है। स्तंभों के पहले खुले भाग तक पानी पहुँचने का सीधा कारण बढ़ा जल-स्तर है।

चरण 3: निष्कर्ष गंगा नदी का बढ़ा जल-स्तर स्तंभों के नग्न न रह पाने का कारण है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: नग्न न रहना और परिधान जैसे शब्दों को साथ पढ़ें; वे जल द्वारा स्तंभ ढकने की ओर संकेत करते हैं।

1(a)(ii). पुल के स्तंभों ने कैसा परिधान धारण किया हुआ है ? [1 अंक]

(A) गंगा-जल रूपी रजत परिधान

(B) चाँदी-सा चमकता परिधान

(C) मिट्टी-सा मटमैला परिधान

(D) दूध-सा चमकता परिधान

सही उत्तर: (A) गंगा-जल रूपी रजत परिधान

हल:

अवधारणा:

- कवि निर्जीव स्तंभों को वस्त्र पहने हुए दिखाता है। यहाँ परिधान वास्तविक कपड़ा नहीं, स्तंभों को ढकने वाला गंगा का जल है।
- उत्तर चुनते समय कविता के स्पष्ट कथन को प्राथमिकता दें और अधूरे अथवा असंगत विकल्पों को अलग करें।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति पढ़ें 'दूधिया पानी बना उनका रजत परिधान' में पानी को ही परिधान कहा गया है। रजत शब्द उस जल के चाँदी जैसे रूप को स्पष्ट करता है।

चरण 2: विकल्पों को पाठ से मिलाएँ विकल्प (A) में जल का स्रोत और उसका रजत रूप दोनों आते हैं। (B) केवल चमक का सामान्य वर्णन है और गंगा-जल की पहचान छोड़ देता है। (C) का मटमैला रंग रजत के विपरीत है। (D) दूध का संकेत देता है, जबकि पंक्ति में दूधिया विशेषण जल के लिए है।

चरण 3: निष्कर्ष पुल के स्तंभों ने गंगा-जल रूपी रजत परिधान धारण किया है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: परिधान किससे बना है, यह पहले खोजें; केवल चमक बताने वाला विकल्प पूर्ण अर्थ नहीं देता।

1(a)(iii). गाँव में बाढ़ आने पर भी कवि के संतोष का क्या कारण हो सकता है ? [1 अंक]

(A) घर का नदी से दूर होना

(B) घर का शहर के किनारे होना

(C) घर का पुराना होना

(D) घर का मजबूत होना

सही उत्तर: (D) घर का मजबूत होना

हल:

अवधारणा:

- अपठित कविता में किसी भाव का कारण उसी प्रसंग के स्पष्ट शब्दों से निर्धारित किया जाता है। यहाँ घर की बनावट कवि के संतोष को समझाती है।

- उत्तर चुनते समय कविता के स्पष्ट कथन को प्राथमिकता दें और अधूरे अथवा असंगत विकल्पों को अलग करें।

चरण 1: घर का वर्णन देखें कवि घर को 'पत्थरों से बँधी गहरी नींववाला' और 'पुराना ही सही पर मजबूत' कहता है। इन विशेषताओं से बाढ़ की हिलोरों के बीच भी उसके टिके रहने का भरोसा मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें घर नदी से दूर होने का कथन नहीं है; हिलोरें उसे झकझोर रही हैं। शहर के किनारे होना अपने आप सुरक्षा नहीं देता। पुराना होना भी संतोष का कारण नहीं, क्योंकि कवि उसके बावजूद मजबूती पर भरोसा करता है। इसलिए निर्णायक गुण घर का मजबूत होना है।

चरण 3: निष्कर्ष घर की मजबूत बनावट कवि के संतोष का कारण है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पुराना ही सही पर मजबूत में पर के बाद आया गुण मुख्य है; उसी को संतोष के कारण से जोड़ें।

1(a)(iv). गंगा नदी की धारा ग्रीष्म-ऋतु में कैसी हो जाती है ? [1 अंक]

(A) मटमैली

(B) पतली

(C) सूखी

(D) काली

सही उत्तर: (B) पतली

हल:

अवधारणा:

- शब्द का अर्थ कविता के प्रसंग और उपमा से पहचाना जाता है। प्रतनु का अर्थ अत्यंत पतला तथा सलिला का संबंध जलधारा से है।
- उत्तर चुनते समय कविता के स्पष्ट कथन को प्राथमिकता दें और अधूरे अथवा असंगत विकल्पों को अलग करें।

चरण 1: ग्रीष्मकाल का वर्णन पढ़ें कवि गंगा के लिए कहता है, 'ग्रीष्म में यह हो गई थी प्रतनु-सलिला'। वह उसकी तुलना विरहिणी की पीठ पर पड़ी एक वेणी से करता है। यह तुलना संकरी, पतली जलधारा का बिंब बनाती है।

चरण 2: विकल्पों में भेद करें मटमैली और काली रंग बताने वाले शब्द हैं; प्रस्तुत पंक्तियाँ रंग का ऐसा वर्णन नहीं करतीं। सूखी का अर्थ जल का अभाव होता है, पर कविता में धारा की उपस्थिति है। वेणी जैसी धारा पतली है, पूरी तरह सूखी नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष ग्रीष्म-ऋतु में गंगा की धारा पतली हो जाती है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: प्रतनु-सलिला को एकवेणी वाली उपमा से जोड़ें; वेणी का संकरापन पतली धारा का अर्थ स्पष्ट करता है।

1(a)(v). 'विरहिणी की पीठ लुंठित एकवेणी-सदृश' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? [1 अंक]

(A) श्लेष

(B) उत्प्रेक्षा

(C) रूपक

(D) उपमा

सही उत्तर: (D) उपमा

हल:

अवधारणा:

- उपमा में उपमेय और उपमान के बीच समानता बताई जाती है। सा, सी, सम और सदृश जैसे शब्द उसके सूचक होते हैं।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें एकवेणी-सदृश में प्रयुक्त सदृश शब्द स्पष्ट समानता प्रकट करता है। पंक्ति में वर्णित दृश्य को विरहिणी की पीठ पर पड़ी एक वेणी के समान कहा गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें श्लेष में एक शब्द के अनेक अर्थ अपेक्षित होते हैं, जो यहाँ नहीं हैं। उत्प्रेक्षा में संभावना होती है, जबकि यहाँ स्पष्ट तुलना है। रूपक में उपमेय पर उपमान का अभेद आरोप होता है; सदृश से भेद रखते हुए तुलना होने के कारण वह भी नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: सदृश शब्द को रेखांकित करके देखें; स्पष्ट तुलना होने से उपमा पहचानें।

अथवा

1(b). अब कठोर हो वज्रादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी !
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
मेरे लिए पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा,
आर्यपुत्र को देख उन्होंने सभी प्रकार सराहा।
फिर भी हठकर हाय ! वृथा ही उन्होंने थाहा,
किस योद्धा ने बढ़कर उनका शौर्य-सिंधु अवगाहा ?
क्यों कर सिद्ध करूँ अपने को मैं उन नर की नारी
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से
गिरे प्रतिद्वंद्वी नंदार्जुन, नागदत्त जिस हय से
वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से,
क्यों न गूँजती रंगभूमि फिर उनके जय जय जय से
निकला वहाँ कौन उन जैसा प्रबल-पराक्रमकारी
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी।
सभी सुंदरी बालाओं में मुझे उन्होंने माना,
सबने मेरा भाग्य सराहा, सबने रूप बखाना,
खेद, किसी ने उन्हें न फिर भी ठीक-ठीक पहचाना,
भेद चुने जाने का अपने मैंने भी अब जाना।
इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी,
आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा, अब है मेरी बारी। [5 अंक]

1(b)(i). नायिका के पिता द्वारा वर रूप में नायक का चयन उसके किन गुणों के आधार पर किया गया ? [1 अंक]

(A) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता

(B) शारीरिक सौष्ठव और बाहुबल

(C) घुड़सवारी में कुशल होने की कला

(D) कोमल, मधुर और विनम्र स्वभाव

सही उत्तर: (A) धैर्य, शौर्य, बुद्धि और वीरता

हल:

अवधारणा:

- किसी पात्र के चयन का आधार जानने के लिए पद्यांश में उसके गुणों के सीधे उल्लेख और घटनात्मक प्रमाण को साथ पढ़ना चाहिए।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें नायिका कहती है कि पिता ने सबसे धीर-वीर वर चाहा था। आर्यपुत्र को देखकर उन्होंने सभी प्रकार से सराहा। शौर्य-सिंधु और प्रबल-पराक्रमकारी जैसे प्रयोग भी उसके धैर्य, शौर्य तथा वीरता को स्पष्ट करते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें विकल्प (A) इन्हीं गुणों का व्यापक समूह प्रस्तुत करता है। (B) केवल शरीर और बल तक सीमित है। (C) घुड़सवारी की एक कला को बताता है, संपूर्ण चयन का आधार नहीं। (D) का कोमल-मधुर स्वभाव यहाँ पिता की अपेक्षा के रूप में नहीं दिया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: धीर-वीर वर चाहा पंक्ति को आधार बनाकर गुणों का सबसे व्यापक विकल्प चुनें।

1(b)(ii). उपर्युक्त पंक्तियों में आर्यपुत्र द्वारा दी जाने वाली कौन-सी परीक्षा की बात कही गई है ? [1 अंक]

(A) स्वयं को सबसे शक्तिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(B) स्वयं को सबसे बुद्धिशाली सिद्ध करने की परीक्षा

(C) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

(D) स्वयं को सिंहासन हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

सही उत्तर: (C) स्वयं को वर हेतु योग्य सिद्ध करने की परीक्षा

हल:

अवधारणा:

- परीक्षा का उद्देश्य समझने के लिए यह देखना चाहिए कि प्रसंग में पात्र किस पद या संबंध के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर रहा है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें काव्यांश में पिता अपनी पुत्री के लिए धीर-वीर वर चाहते हैं। आर्यपुत्र का शौर्य परखा जाता है और प्रतिद्वंद्वियों के असफल होने पर वह कठिन अश्व को वश में कर लेता है। यह विवाह हेतु चयन की परीक्षा का प्रसंग है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) में शक्ति और (B) में बुद्धि को ही लक्ष्य बनाया गया है, जबकि वे योग्यता के पहलू हो सकते हैं। (D) में सिंहासन के उत्तराधिकार की बात है, जिसका उल्लेख नहीं है। इसलिए परीक्षा का उद्देश्य योग्य वर सिद्ध होना है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पिता, वर और चुने जाने जैसे प्रसंग-सूचक शब्दों को जोड़कर परीक्षा का उद्देश्य पहचानें।

1(b)(iii). 'इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी' — पंक्ति में प्रयुक्त 'उपयुक्त पात्र' से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) उपयोगी बर्तन

(B) सुंदर राजकुमारी

(C) बलिष्ठ अश्व

(D) उपयुक्त व्यक्तित्व

सही उत्तर: (D) उपयुक्त व्यक्तित्व

हल:

अवधारणा:

- पात्र का अर्थ संदर्भ के अनुसार बर्तन या किसी कार्य के योग्य व्यक्ति हो सकता है। उपयुक्त विशेषण यहाँ योग्यता का संकेत देता है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें इस दिन के उपयुक्त पात्र की उन्हें खोज थी सारी पंक्ति में नायिका अपने चुने जाने का अर्थ समझती है। अतः पात्र का आशय परिस्थिति के अनुरूप योग्य व्यक्तित्व से है; यहाँ किसी वस्तु की खोज का वर्णन नहीं है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) उपयोगी बर्तन शब्दकोश का असंगत अर्थ लेता है। (B) सुंदर राजकुमारी केवल बाहरी सौंदर्य तक सीमित है, जबकि नायिका उससे आगे चयन का भेद समझती है। (C) बलिष्ठ अश्व पिछले प्रसंग का पात्र है, इस पंक्ति का आशय नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पात्र के अनेक अर्थों में से वही अर्थ लें जो चुने जाने और उपयुक्तता के प्रसंग से जुड़े।

1(b)(iv). 'देख कराल काल-सा जिसको काँप उठे सब भय से' — पंक्ति में 'जिसको' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? [1 अंक]

(A) प्रतिद्वंद्वी राजकुमार

(B) आर्यपुत्र

(C) तुरंग

(D) कुरंग

सही उत्तर: (C) तुरंग

हल:

अवधारणा:

- सर्वनाम का सही संदर्भ समीप की पंक्तियों और उनसे जुड़ी क्रिया से निर्धारित होता है। अलग पंक्ति पढ़ने पर संदर्भ छूट सकता है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें जिसको देखकर सब भयभीत हुए, उसी हय से नंदार्जुन और नागदत्त गिरे थे। अगली पंक्ति का वह तुरंग इस घोड़े को फिर स्पष्ट करता है। इसलिए जिसको का संकेत भय उत्पन्न करने वाले तुरंग अर्थात अश्व की ओर है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) प्रतिद्वंद्वी राजकुमार उस अश्व से गिरने वाले व्यक्ति हैं। (B) आर्यपुत्र उसे विनयपूर्वक वश में करने वाले नायक हैं। (D) कुरंग उपमान है, जिससे शांत हो गए अश्व की तुलना की गई है। तीनों सर्वनाम का वास्तविक संदर्भ नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: जिसको के बाद हय और वह तुरंग को जोड़कर पढ़ें; सर्वनाम का संदर्भ तुरंत स्पष्ट होगा।

1(b)(v). 'वह तुरंग पालित-कुरंग-सा नत हो गया विनय से' — काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? [1 अंक]

(A) अतिशयोक्ति

(B) उपमा

(C) उत्प्रेक्षा

(D) मानवीकरण

सही उत्तर: (B) उपमा

हल:

अवधारणा:

- उपमा अलंकार में दो भिन्न वस्तुओं के समान गुण की स्पष्ट तुलना होती है। सा जैसा समानतावाचक शब्द उसकी पहचान में सहायक होता है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें यहाँ तुरंग अर्थात घोड़ा उपमेय और पालित कुरंग अर्थात पाला हुआ हिरण उपमान है। नत हो गया विनय से दोनों में कोमल, विनम्र व्यवहार की समानता बताता है। कुरंग-सा में सा वाचक शब्द भी उपस्थित है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) अतिशयोक्ति में बढ़ा-चढ़ाकर कथन प्रधान होता है; यहाँ स्पष्ट तुलना प्रधान है। (C) उत्प्रेक्षा में संभावना व्यक्त होती है, जो यहाँ नहीं है। (D) मानवीकरण में मानवीय क्रिया का आरोप प्रमुख होता है, जबकि इस पंक्ति में अश्व और हिरण की उपमा स्पष्ट है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कुरंग-सा में सा पहचानें और तुरंग तथा कुरंग को उपमेय-उपमान के रूप में अलग करें।

---

2. वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए तुरंत कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। प्राय: प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं, जबकि प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हमें सक्रिय हो जाना चाहिए। मौसम और वायु प्रदूषण एक-दूसरे से जुड़े हैं। हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं और हवा की गति जब ज्यादा होती है, तो बेहद खराब-से-खराब हवा भी बेहतर होने लगती है। समय विशेष में किसी खास दिशा से हवा नमी, धूल या प्रदूषकों को साथ ला सकती है। कुछ वायु प्रदूषक जमीन की सतह के आसपास होते हैं और बहुत ऊँचाई तक पहुँचे प्रदूषक मौसम को भी प्रभावित करते हैं।

जमीन से उठी गैसें, रासायनिक कण वायुमंडल में पहुँचकर अनेक बार नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं, यदि वे लंबे समय तक वायुमंडल में बने रहे। अत: यदि अभी प्रदूषण वायुमंडल में पहुँचना रुक भी जाए, तो भी मौजूदा प्रदूषण अगले कई सालों तक असरकारी रहेंगे। वायु प्रदूषण की एक सच्चाई यह भी है कि एक जगह का प्रदूषण दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच जाता है। हवा साफ हो, तो कहीं-से-कहीं पहुँचे, चिंता की बात नहीं। हवा यदि प्रदूषण का भार लिए हुए है, तो चिंता का कारण है। हवा को प्रदूषकों का भार न ढोना पड़े, इसके साझा प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों के अनुसंधान पर काम करना ही होगा।

जगह-जगह भवनों या अन्य ढाँचागत निर्माण से खुली जगह में जो कमी आ रही है, उससे स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में दिक्कत हो रही है। इससे भी प्रदूषण आसपास ही मँडराता रहता है। जीवाश्म ईंधन जलाने से या औद्योगिक प्रदूषणों से कार्बन, सल्फर या नाइट्रोजन के ऑक्साइड जब वायुमंडल में पहुँचे, तो जल और जल का जो भी प्रारूप होगा, वह हिमपात हो या ओस हो तेजाबी हो सकता है। निस्संदेह बरसात के बाद हवा तो साफ लगेगी लेकिन प्रदूषित जल से पेड़ों की जड़ें और उनको जमीन से मिलने वाले पोषक तत्त्व दुष्प्रभावित हो सकते हैं। तालाबों, नदियों के जलचर पीड़ित हो सकते हैं। कुछ प्रदूषक पत्तियों पर ऐसे बैठ जाएँ, जो पेड़ों के लिए हानिकारक हों।

बरसात की जरूरत अब खेती, जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी हो गई हैं। कृत्रिम बरसात का विकल्प भी कुछ जिम्मेदार संस्थाएँ देने लगी हैं। वायुमंडलीय प्रदूषण में सुधार हेतु हमें सावधान होने की जरूरत है। [10 अंक]

2(i). वायु की गुणवत्ता से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) वायु के प्रदूषक तत्त्व

(B) वायु की स्थिति

(C) वायु के बहने की गति

(D) वायु की शुद्धता

सही उत्तर: (D) वायु की शुद्धता

हल:

अवधारणा:

- किसी गद्यांश के प्रमुख शब्द का अर्थ उसके विषय और आसपास की पंक्तियों से तय किया जाता है। वायु की गुणवत्ता उसका स्वच्छ और प्रदूषणरहित होना बताती है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें गद्यांश की शुरुआत वायु की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता से होती है। आगे प्रदूषकों को घटाने और हवा साफ करने की चर्चा है। इससे स्पष्ट है कि गुणवत्ता से आशय हवा की शुद्धता के स्तर से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) प्रदूषक तत्त्व गुणवत्ता को बिगाड़ने वाले कारक हैं, स्वयं गुणवत्ता नहीं। (B) स्थिति सामान्य और अस्पष्ट शब्द है। (C) बहने की गति प्रदूषण के फैलाव को प्रभावित करती है, लेकिन शुद्धता का अर्थ नहीं देती। (D) प्रसंग का सबसे सटीक अर्थ है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: गुणवत्ता का अर्थ चुनते समय गद्यांश में हवा साफ होने और प्रदूषक घटने की चर्चा देखें।

2(ii). 'प्रदूषण बढ़ने के बाद ही हम कार्यवाही के लिए लालायित होते हैं।' — पंक्ति मानवीय स्वभाव की किस विशेषता का उल्लेख करती है ? [1 अंक]

(A) प्रदूषण बढ़ने पर हम चिंतित होने लगते हैं।

(B) प्रदूषण बढ़ने से पहले ही हम कार्यवाही करने लगते हैं।

(C) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं।

(D) समस्या आने से पहले ही समाधान पर विचार करते हैं।

सही उत्तर: (C) समस्या सिर पर आने पर ही समाधान पर विचार करते हैं।

हल:

अवधारणा:

- किसी कथन का निहितार्थ उसके सामान्य संदेश से समझा जाता है। बाद ही जैसे शब्द बताते हैं कि कार्रवाई समस्या आने के पश्चात आरंभ होती है।
- उत्तर तय करते समय दिए गए पाठ के शब्दों और उसके प्रसंग को ही प्रमाण बनाना चाहिए।

चरण 1: पाठ में निर्णायक संकेत पहचानें लेखक कहता है कि हम प्रदूषण बढ़ने के बाद कार्रवाई चाहते हैं, जबकि पहले ही सक्रिय होना चाहिए। यह समस्या को पहले से रोकने के स्थान पर उसके गंभीर होने पर समाधान सोचने की प्रवृत्ति का उल्लेख है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) केवल चिंतित होने की बात कहता है और सामान्य व्यवहार का पूरा आशय नहीं बताता। (B) तथा (D) पहले से कार्रवाई या समाधान सोचने की बात करते हैं, जो उद्धृत कथन के विपरीत है। (C) समस्या सिर पर आने पर विचार करने की यही प्रवृत्ति स्पष्ट करता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: बाद ही को रेखांकित करें; फिर ऐसा विकल्प चुनें जिसमें समस्या आने के बाद प्रतिक्रिया का भाव हो।

2(iii). हवा की गति का प्रदूषण पर क्या प्रभाव पड़ता है ? [1 अंक]

(A) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण बढ़ने लगता है

(B) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है

(C) हवा की गति कम होने पर प्रदूषण कम होने लगता है

(D) हवा की गति सामान्य रहने पर प्रदूषण समाप्त हो जाता है

सही उत्तर: (B) हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में स्पष्ट है कि हवा की गति कम होने पर प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं, जबकि गति बढ़ने पर बेहद खराब हवा भी बेहतर होने लगती है। इससे वायु की गति और उसमें प्रदूषकों के ठहराव का संबंध समझ में आता है।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें तेज हवा प्रदूषकों को एक स्थान पर जमा रहने नहीं देती। इसलिए हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है। यह निष्कर्ष सीधे गद्यांश के कथन पर आधारित है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें विकल्प (A) तेज हवा से प्रदूषण बढ़ने की बात करके पाठ के विपरीत है। (C) धीमी हवा से प्रदूषण कम मानता है, जबकि पाठ में उसका बढ़ना बताया गया है। (D) में प्रदूषण पूरी तरह समाप्त होने का दावा है, जो गद्यांश में नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष हवा की गति बढ़ने पर प्रदूषण घटने लगता है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: हवा की गति वाले दोनों वाक्यों को साथ पढ़कर बढ़ने और घटने का संबंध पहचानें।

2(iv). हवा का एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना चिंता का कारण कब बन जाता है ? [1 अंक]

(A) जब वह धीमी गति से बहे

(B) जब वह तीव्र गति से बहे

(C) जब उसमें प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता हो

(D) जब उसमें धूल-मिट्टी की अधिकता हो

सही उत्तर: (C) जब उसमें प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता हो

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश साफ हवा और प्रदूषण का भार लिए हवा में स्पष्ट अंतर करता है। हवा का एक जगह से दूसरी जगह जाना अपने आप में चिंता का कारण नहीं है; उसके साथ पहुँचने वाले प्रदूषक वास्तविक समस्या हैं।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें पाठ में कहा गया है कि हवा साफ हो तो कहीं से कहीं पहुँचे, चिंता की बात नहीं; प्रदूषण का भार लिए हो तो चिंता होती है। इसलिए प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता निर्णायक शर्त है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) और (B) हवा की गति बताते हैं, उसकी गुणवत्ता नहीं। (D) धूल-मिट्टी तक सीमित है, जबकि गद्यांश गैसों और रासायनिक कणों सहित सभी प्रदूषकों की चर्चा करता है। इसलिए अधिक व्यापक और पाठानुकूल विकल्प (C) है।

चरण 3: निष्कर्ष हवा में प्रदूषक तत्त्वों की अधिकता होने पर उसका दूसरी जगह पहुँचना चिंता का कारण बनता है। सही विकल्प (C)

है।

त्वरित सुझाव: कब पूछे जाने पर पाठ में दी गई शर्त खोजें; यहाँ गति से अधिक हवा का प्रदूषित होना निर्णायक है।

2(ix). प्रस्तुत गद्यांश का वर्ण्य-विषय है : [1 अंक]

(A) दिनोंदिन बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण

(B) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण

(C) कृत्रिम बरसात : आज की आवश्यकता

(D) पर्यावरण सुधार : समय की माँग

सही उत्तर: (B) दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण

हल:

अवधारणा:

- केंद्रीय विषय पूरे गद्यांश की बार-बार लौटने वाली मुख्य चर्चा से पहचाना जाता है। यहाँ वायु की गुणवत्ता, प्रदूषकों का प्रसार, हवा की गति, वायु-प्रवाह तथा प्रदूषण कम करने के उपाय एक ही मूल विषय से जुड़े हैं।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें गद्यांश का आरंभ वायु की गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता से होता है। बीच में वायु में गैसों और कणों के बने रहने के दुष्प्रभाव बताए गए हैं तथा अंत में वायुमंडलीय प्रदूषण में सुधार के लिए सावधानी की जरूरत कही गई है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) और (D) संपूर्ण पर्यावरण से संबंधित व्यापक विषय हैं, जबकि केंद्र हवा है। (C) कृत्रिम बरसात केवल अंत में आया एक उपाय है; वह पूरे गद्यांश का विषय नहीं है। (B) हवा में बढ़ते प्रदूषण को ठीक केंद्र में रखता है।

चरण 3: निष्कर्ष गद्यांश का वर्ण्य-विषय दिनोंदिन हवा में बढ़ता प्रदूषण है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: शीर्षक चुनते समय आरंभ, मध्य और अंत तीनों को समेटने वाला विषय चुनें, केवल अंतिम उदाहरण को नहीं।

2(v). हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के विषय में क्या सत्य नहीं है ? [1 अंक]

(A) सरकार और जनता को साझा प्रयास करने होंगे।

(B) नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों पर काम करना होगा।

(C) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा।

(D) हवा में रासायनिक गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना होगा।

सही उत्तर: (C) धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा।

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न में नहीं पर ध्यान देना आवश्यक है। हमें ऐसा कथन चुनना है जो वायु प्रदूषण कम करने के उपाय के रूप में गद्यांश से पुष्ट नहीं होता। सामान्य वैज्ञानिक जानकारी के बजाय दिए गए पाठ को आधार बनाना चाहिए।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें गद्यांश साझा प्रयासों तथा नवाचारी टेक्नोलॉजी और पद्धतियों पर अनुसंधान की बात कहता है। रासायनिक गैसों के वायुमंडल में पहुँचने के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव बताते हुए उनके उत्सर्जन पर रोक की आवश्यकता भी सामने आती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें इस प्रकार (A), (B) और (D) पाठ के उपायों से मेल खाते हैं। धरती के बढ़ते तापमान को

नियंत्रित रखने की बात यहाँ प्रदूषण घटाने के उपाय के रूप में नहीं कही गई है। इसलिए (C) इस निषेधात्मक प्रश्न का सही चयन है।

चरण 3: निष्कर्ष गद्यांश के अनुसार सत्य नहीं बताया गया कथन धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित रखना होगा है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: नहीं वाले प्रश्न में तीन समर्थित कथनों को हटाएँ और पाठ में आधार न पाने वाले विकल्प को चुनें।

2(vi). जगह-जगह भवनों के निर्माण से खुली जगह में कमी के साथ-साथ और क्या समस्या आ रही है ? [1 अंक]

(A) लोगों को ध्वनि-प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।
(B) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है।
(C) स्थानीय स्तर पर लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है।
(D) स्थानीय स्तर पर सूर्य के प्रकाश की दिक्कत आ रही है।

सही उत्तर: (B) स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है।

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में भवनों और अन्य ढाँचागत निर्माण, खुली जगह की कमी तथा स्थानीय वायु-प्रवाह की बाधा का क्रम बताया गया है। उत्तर इसी कारण-परिणाम संबंध से निर्धारित होता है।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें निर्माण बढ़ने से खुली जगह घटती है और स्थानीय स्तर पर हवा के प्रवाह में दिक्कत आती है। फलतः प्रदूषण आसपास ही मँडराता रहता है। विकल्प (B) इसी स्थानीय वायु-प्रवाह और बढ़ते प्रदूषण की समस्या को व्यक्त करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) ध्वनि-प्रदूषण, (C) लोगों की आवाजाही और (D) सूर्य के प्रकाश की कमी की बात करते हैं। ये संभावित शहरी समस्याएँ हो सकती हैं, लेकिन इस प्रसंग में गद्यांश ने इनमें से किसी को नहीं बताया है। इसलिए इन्हें उत्तर नहीं बनाया जा सकता।

चरण 3: निष्कर्ष स्थानीय स्तर पर वायु-प्रवाह में प्रदूषण बढ़ रहा है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कारण-परिणाम का क्रम बनाएँ: निर्माण बढ़ना, खुली जगह घटना, वायु-प्रवाह बाधित होना और प्रदूषण ठहरना।

2(vii). हवा में उपस्थित प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम बरसात प्रभावकारी तरीका क्यों नहीं है ? [1 अंक]

(A) इससे फ़सलों को नुकसान पहुँचेगा
(B) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा
(C) आर्थिक दृष्टि से महँगा सौदा है
(D) प्रदूषित हवा विश्व-व्यापी समस्या है

सही उत्तर: (B) इससे वनस्पति, जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचेगा

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में बरसात के बाद हवा साफ लगने और प्रदूषित जल से नुकसान होने के बीच अंतर बताया गया है। किसी उपाय का मूल्यांकन केवल उसके तुरंत दिखाई देने वाले लाभ से नहीं, पाठ में बताए दुष्प्रभाव से करना है।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें कार्बन, सल्फर या नाइट्रोजन के ऑक्साइड जल को तेजाबी बना सकते हैं। ऐसा प्रदूषित जल पेड़ों की जड़ों तथा पोषक तत्त्वों को प्रभावित करता है और तालाबों-नदियों के जलचर भी पीड़ित हो सकते हैं। इसलिए वनस्पति तथा जीव-जंतुओं का नुकसान प्रमुख कारण है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) केवल फसलों तक सीमित है, जबकि पाठ पेड़ों और जलचरों दोनों का उल्लेख करता है। (C) की आर्थिक लागत गद्यांश में नहीं दी गई है। (D) व्यापक प्रसार की बात तो करता है, पर यहाँ बरसात के दुष्प्रभाव का प्रत्यक्ष कारण नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष कृत्रिम बरसात से वनस्पति और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँच सकता है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: हवा साफ लगने के बाद लेकिन शब्द से शुरू होने वाले दुष्प्रभाव पढ़ें; वहीं उत्तर का आधार मिलता है।

2(viii). वर्तमान समय में बेमौसम बरसात की जरूरत क्यों महसूस हो रही है ? [1 अंक]

(A) बढ़ते तापमान को कम करने के लिए
(B) पेड़-पौधों की सिंचाई करने के लिए
(C) पानी की कमी को दूर करने के लिए
(D) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

सही उत्तर: (D) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में वर्षा के पारंपरिक उपयोगों के साथ उसकी एक नई जरूरत जोड़ी गई है। प्रश्न वर्तमान समय की इसी विशेष आवश्यकता को पूछता है, इसलिए खेती और जलाशयों से अलग बताए गए प्रयोजन पर ध्यान देना चाहिए।
- अपठित गद्यांश के प्रश्न का उत्तर उसके स्पष्ट कथन और प्रसंग से निर्धारित करें; बाहरी अनुमान न जोड़ें।

चरण 1: पाठ का आधार पहचानें अंतिम अनुच्छेद के अनुसार बरसात की जरूरत अब खेती और जलाशयों के लिए ही नहीं, दमघोंटू धुंध के प्रदूषण से निजात पाने के लिए भी हो गई है। इसी संदर्भ में कृत्रिम बरसात का विकल्प सामने आता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच करें (A) तापमान घटाने का उद्देश्य यहाँ नहीं बताया गया। (B) सिंचाई और (C) पानी की कमी वर्षा के सामान्य उपयोगों से जुड़े हैं, जबकि प्रश्न वर्तमान प्रदूषण-संकट की विशेष जरूरत पूछता है। (D) प्रदूषित हवा को शुद्ध करने की बात करके पाठ से मेल खाता है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रदूषित हवा को शुद्ध करने के लिए बेमौसम बरसात की जरूरत महसूस हो रही है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: ही नहीं और भी वाले वाक्य में भी के बाद जो नया प्रयोजन जुड़ा है, उसी को वर्तमान जरूरत समझें।

2(x). निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन *(A)* : जमीन से उठी कम घातक गैसें भी वायुमंडल में पहुँचकर नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन जाती है।
कारण *(R)* : हवा की गति कम हो, तो प्रदूषक बढ़ जाते हैं। [1 अंक]

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।
(C) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(D) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

सही उत्तर: (B) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण की सत्यता अलग-अलग जाँची जाती है। दोनों सही होने पर भी कारण का कथन की वास्तविक व्याख्या करना आवश्यक है।
- गद्यांश में गैसों के लंबे समय तक वायुमंडल में रहने और हवा की कम गति से प्रदूषक बढ़ने के दो अलग प्रसंग हैं।

चरण 1: कथन की सत्यता जाँचें कथन (A) सही है। पाठ के अनुसार जमीन से उठी गैसें और रासायनिक कण वायुमंडल में पहुँचकर नुकसानदेह प्रदूषणकारी बन सकते हैं, यदि वे लंबे समय तक वहाँ बने रहें। कथन इसी हानिकारक प्रभाव की ओर संकेत करता है।

चरण 2: कारण की सत्यता जाँचें कारण (R) भी सही है। गद्यांश के आरंभ में साफ कहा गया है कि हवा की गति कम हो तो प्रदूषक तत्त्व बढ़ जाते हैं। यह स्थानीय हवा में प्रदूषकों के एकत्र होने से संबंधित बात है।

चरण 3: व्याख्या के संबंध और विकल्प जाँचें गैसों के नुकसानदेह बनने का संदर्भ उनके लंबे समय तक वायुमंडल में बने रहने से है; केवल हवा की धीमी गति उसका पूर्ण कारण नहीं बताती। इसलिए (A) वाला सही व्याख्या का दावा अनुचित है। (C) कथन को गलत और (D) दोनों को गलत मानते हैं, इसलिए वे भी असंगत हैं। विकल्प (B) सही कथन तथा गलत व्याख्यात्मक संबंध को दर्शाता है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन सही है और कारण भी सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: दोनों वाक्य सही मिलने पर तुरंत पहला विकल्प न चुनें; जाँचें कि कारण उसी घटना की व्याख्या करता है या अलग बात बताता है।

3(i). संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले लेख लिखे जाते हैं : [1 अंक]

(A) संपादक मंडल द्वारा
(B) पत्रकार द्वारा
(C) लेखकों और कवियों द्वारा
(D) प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा

सही उत्तर: (A) संपादक मंडल द्वारा

हल:

अवधारणा:

- संपादकीय समाचारपत्र की नीतिगत राय व्यक्त करता है और उसका लेखन संपादक मंडल की जिम्मेदारी होता है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना संपादकीय पृष्ठ के लेखों का संबंध पत्र की वैचारिक नीति तथा समसामयिक विषयों पर उसके दृष्टिकोण से है। दिए गए विकल्पों में संपादक मंडल इस संपादकीय दायित्व को निभाने वाला समूह है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (B) पत्रकार का सामान्य कार्य समाचार जुटाना और प्रस्तुत करना है। विकल्प (C) लेखकों

और कवियों की साहित्यिक पहचान बताता है तथा (D) प्रसिद्धि का उल्लेख करता है; ये अपने आप संपादकीय लेखन की जिम्मेदारी नहीं दर्शाते।

चरण 3: निष्कर्ष संपादक मंडल द्वारा। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: संपादकीय संबंधी प्रश्न में समाचारपत्र की नीति और संपादक मंडल के संबंध को पहचानें।

3(ii). हिंदी की ज्यादातर साइट क्यों नहीं खुल पातीं ? [1 अंक]

(A) यूनिकॉड फ़ौंट की अनुपलब्धता से

(B) की-बोर्ड की अनुपलब्धता से

(C) डायनमिक फ़ौंट की अनुपलब्धता से

(D) बेलगाम फ़ौंट की अनुपलब्धता से

सही उत्तर: (C) डायनमिक फ़ौंट की अनुपलब्धता से

हल:

अवधारणा:

- यह प्रश्न पाठ में बताई गई हिंदी वेब पत्रकारिता की तकनीकी समस्या पर आधारित है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना पाठ के अनुसार डायनमिक फ़ौंट उपलब्ध न होने पर हिंदी की अनेक साइटों की सामग्री सही ढंग से खुल या दिखाई नहीं देती। इसलिए साइट न खुलने के बताए गए तात्कालिक कारण को पहचानना आवश्यक है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) यूनिकोड का अभाव पाठ में दिया गया यह विशिष्ट कारण नहीं है। विकल्प (B) की-बोर्ड की अनुपलब्धता टंकण से संबंधित है। विकल्प (D) में बेलगाम फ़ौंट की अनुपलब्धता कहा गया है, जबकि फ़ौंट की विविधता एक अलग व्यापक समस्या है।

चरण 3: निष्कर्ष डायनमिक फ़ौंट की अनुपलब्धता से। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: साइट खुलने की समस्या को पाठ के डायनमिक फ़ौंट वाले कथन से जोड़ें, केवल की-बोर्ड से नहीं।

3(iii). संवाददाताओं की रुचियों और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया कार्य-विभाजन मीडिया की भाषा में क्या कहलाता है ? [1 अंक]

(A) डेड लाइन

(B) एंकर बाइट

(C) बीट

(D) डेस्क

सही उत्तर: (C) बीट

हल:

अवधारणा:

- संवाददाता की रुचि और विषय संबंधी ज्ञान के आधार पर सौंपा गया समाचार-क्षेत्र बीट कहलाता है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना राजनीति, खेल, शिक्षा अथवा अपराध जैसे क्षेत्रों के समाचार जुटाने की जिम्मेदारी अलग-अलग संवाददाताओं को दी जाती है। ऐसा विभाजन उनकी विशेषज्ञता और रुचि के अनुसार होता है; इसी निर्धारित क्षेत्र के लिए बीट शब्द प्रयुक्त होता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) डेड लाइन काम पूरा करने की समय-सीमा है। विकल्प (B) एंकर बाइट प्रसारण से संबंधित है। विकल्प (D) डेस्क समाचारों के संपादन और संयोजन की व्यवस्था को दर्शाता है। इनमें से कोई भी पूछे गए विषयगत कार्य-विभाजन का नाम नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष बीट। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: रुचि और ज्ञान के अनुसार सौंपे गए समाचार-क्षेत्र को देखते ही बीट शब्द याद करें।

3(iv). उलटा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ ? [1 अंक]

(A) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

(B) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान

(C) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान

(D) इंग्लैंड के गृह-युद्ध के दौरान

सही उत्तर: (A) अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान

हल:

अवधारणा:

- उलटा पिरामिड शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना पहले और अपेक्षाकृत कम महत्त्वपूर्ण विवरण बाद में आते हैं।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना इस शैली का विकास अमेरिका के गृह-युद्ध के दौरान हुआ। युद्ध के समय संचार में बाधा की आशंका रहती थी, इसलिए पहले मुख्य सूचना भेजना उपयोगी था। इससे बाद का विवरण रुक जाने पर भी समाचार का आवश्यक तथ्य मिल जाता था।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (B) प्रथम विश्व युद्ध और (C) द्वितीय विश्व युद्ध बाद की घटनाएँ हैं; शैली के आरंभ का संबंध उनसे नहीं है। विकल्प (D) इंग्लैंड का गृह-युद्ध गलत देश और ऐतिहासिक प्रसंग देता है। अतः विकल्प (A) का प्रसंग ही उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष अमेरिका में गृह-युद्ध के दौरान। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: उलटा पिरामिड का इतिहास याद करते समय अमेरिका का गृह-युद्ध और पहले मुख्य सूचना का संबंध रखें।

3(v). रेडियो में महत्त्व है : [1 अंक]

(A) प्रसारणकर्ताओं का

(B) शब्दों और ध्वनियों का

(C) छपे हुए शब्दों का

(D) दृश्यों और तस्वीरों का

सही उत्तर: (B) शब्दों और ध्वनियों का

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; उसके संदेश का संप्रेषण शब्दों, आवाज और ध्वनि के सहारे होता है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना रेडियो का श्रोता दृश्य या मुद्रित पाठ नहीं देखता। वह बोले गए शब्द, स्वर और अन्य ध्वनियाँ सुनकर अर्थ ग्रहण करता है। इसलिए स्पष्ट शब्द-चयन तथा प्रभावी ध्वनि रेडियो की प्रस्तुति के मूल साधन हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) में प्रसारणकर्ता का उल्लेख है, पर प्रश्न माध्यम के अभिव्यक्ति-साधनों का महत्त्व पूछता है। विकल्प (C) छपे हुए शब्द मुद्रित माध्यम से संबंधित हैं। विकल्प (D) दृश्य और तस्वीरें दृश्य अथवा दृश्य-श्रव्य माध्यम में उपयोगी हैं, रेडियो में नहीं।

चरण 3: निष्कर्ष शब्दों और ध्वनियों का। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: माध्यम पहचानते समय देखें कि प्राप्तकर्ता सुनता है, पढ़ता है या देखता है; रेडियो में सुनना निर्णायक है।

---

4. अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फ़सल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। [5 अंक]

4(i). बुवाई का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) खेतों में बीज बोना

(B) खेतों में पानी देना

(C) खेतों में कटाई करना

(D) खेतों में खाद देना

सही उत्तर: (A) खेतों में बीज बोना

हल:

अवधारणा:

- शब्द का अर्थ गद्यांश में दी गई क्रिया और उसके संदर्भ से निर्धारित होता है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना गद्यांश में किसान अच्छे गेहूँ को अपने पास से लेकर जमीन में बनी क्यारियों में डालता है। इसके तुरंत बाद इस क्रिया को बुवाई कहा गया है। अतः यहाँ बुवाई का आशय बीजों को खेत में बोने की प्रक्रिया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (B) पानी देना सिंचाई है। विकल्प (C) कटाई फसल तैयार होने पर की जाती है। विकल्प (D) खाद देना भूमि को पोषण देना है। ये कृषि की अलग क्रियाएँ हैं और गद्यांश में बताई गई बीज डालने की क्रिया का अर्थ नहीं बतातीं।

चरण 3: निष्कर्ष खेतों में बीज बोना। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: शब्दार्थ वाले प्रश्न में उस शब्द से ठीक पहले दी गई क्रिया को पढ़कर विकल्प चुनें।

4(ii). बादलों की फ़सल पाने के लिए क्या करना पड़ता है ? [1 अंक]

(A) बादलों की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
(B) इंद्र देवता की पूजा-अर्चना करनी पड़ती है
(C) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है
(D) पानी की बरबादी को रोकना होता है

सही उत्तर: (C) पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में अपने पास का पानी देने को बुवाई और वर्षा को उसके प्रतिफल के रूप में समझाया गया है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना जीजी का तर्क है कि जैसे किसान कुछ बीज देकर बड़ी फसल पाता है, वैसे ही सूखे में अपने घर का पानी दूसरों पर डालना पानी के बीज बोना है। इस लोकविश्वास में पानी का दान करने से वर्षा की प्राप्ति की आशा जुड़ी है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) बादलों की पूजा और (B) इंद्र की पूजा गद्यांश में बताई गई इस क्रिया का विकल्प नहीं हैं। विकल्प (D) पानी की बरबादी रोकना सामान्य उपयोगी बात है, पर यहाँ पूछा गया उत्तर पानी देने तथा उसके बदले बादलों की फसल पाने के तर्क पर आधारित है।

चरण 3: निष्कर्ष पानी का दान-पुण्य करना पड़ता है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: इस गद्यांश के उत्तर में पहले पानी देना और फिर वर्षा पाना वाली उपमा का अनुसरण करें।

4(iii). ऋषि-मुनियों के अनुसार हमें मनवांछित फल की प्राप्ति कब होती है ? [1 अंक]

(A) दिन-रात परिश्रम करने से
(B) ईश्वर की उपासना करने से
(C) बड़ों के आशीर्वाद से
(D) दान-पुण्य करने से

सही उत्तर: (D) दान-पुण्य करने से

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में ऋषि-मुनियों का विचार पहले स्वयं देने और फिर अधिक प्रतिफल मिलने से जुड़ा है।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना कथन का आशय है कि मनुष्य पहले अपने पास की वस्तु देकर उदारता दिखाए। उसके बाद देवताओं से कई गुना फल मिलने का विश्वास किया जाता है। इसलिए मनवांछित फल का संबंध यहाँ दान-पुण्य करने से स्थापित किया गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) परिश्रम, (B) ईश्वर की उपासना तथा (C) बड़ों का आशीर्वाद जीवन में उपयोगी माने जा

सकते हैं, पर इस प्रश्न में गद्यांश के विशिष्ट कथन का आधार चाहिए। उस कथन में पहले स्वयं देने की शर्त है, इसलिए ये तीनों विकल्प उसका सटीक अर्थ नहीं बताते।

चरण 3: निष्कर्ष दान-पुण्य करने से। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: ऋषि-मुनियों वाले वाक्य में पहले खुद देने की शर्त को पहचानें; उसी से सही विकल्प निकलता है।

4(iv). जीजी ने किसान का उदाहरण क्यों दिया है ? [1 अंक]

(A) बुवाई की प्रक्रिया स्पष्ट करने के लिए
(B) भारतीय संस्कृति की महिमा बताने के लिए
(C) किसानों की महत्ता समझाने के लिए
(D) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

सही उत्तर: (D) दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए

हल:

अवधारणा:

- उदाहरण का उद्देश्य समझने के लिए उसकी तुलना और उससे निकाले गए निष्कर्ष को साथ पढ़ना चाहिए।
- उत्तर चुनते समय प्रश्न की माँग और दिए गए विकल्पों का अर्थ ध्यान से मिलाना चाहिए।

चरण 1: सही आधार पहचानना जीजी किसान की बुवाई का उदाहरण देकर समझाती हैं कि अधिक पाने के लिए पहले अपने पास से कुछ देना पड़ता है। थोड़े गेहूँ से बड़ी फसल की तरह पानी देने से अधिक पानी मिलने की आशा बताकर वे दान का महत्त्व स्थापित करती हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) बुवाई की प्रक्रिया उदाहरण का आधार भर है, अंतिम उद्देश्य नहीं। विकल्प (B) भारतीय संस्कृति की महिमा बहुत व्यापक कथन है। विकल्प (C) किसानों की महत्ता गद्यांश का प्रतिपाद्य नहीं है। तर्क का केंद्र देने के बाद पाने का भाव है, जिससे विकल्प (D) उचित है।

चरण 3: निष्कर्ष दान-पुण्य की महत्ता समझाने के लिए। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: किसी उदाहरण का उद्देश्य पूछे जाने पर उदाहरण के विषय के बजाय उससे सिद्ध की गई बात चुनें।

4(v). 'पानी गली में बोएँगे' का अभिप्राय है : [1 अंक]

(A) पानी की गली में बुवाई करना
(B) पानी की खेतों में बुवाई करना
(C) पानी को गली में फेंकना
(D) पानी को इंद्र सेना पर डालना

सही उत्तर: (D) पानी को इंद्र सेना पर डालना

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग के अनुसार पानी डालने की क्रिया का अर्थ।
- गद्यांश में जीजी घर का पानी इंद्र सेना के लड़कों पर डालने को बुवाई कहती हैं। यह पानी देने के बाद वर्षा की आशा करने वाली लोकमान्यता का प्रसंग है।

चरण 1: वाक्य का प्रसंग पहचानें 'यह जो सूखे में हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है।' में 'इन पर' का संकेत इंद्र सेना की ओर है। इसलिए गली में पानी बोने का आशय उन लड़कों पर पानी डालने की क्रिया से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का अंतर (A) में पानी की वास्तविक बुवाई मान ली गई है और (B) खेतों में पानी बोने की बात करता है; दोनों प्रसंग के अनुकूल नहीं हैं। (C) गली में फेंकने का केवल बाहरी अर्थ बताता है, लेकिन यहाँ पानी पाने वाला विशिष्ट समूह इंद्र सेना है।

चरण 3: निष्कर्ष पानी को इंद्र सेना पर डालना। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: सर्वनाम 'इन पर' का संदर्भ खोजें; उससे पानी पाने वाले लड़कों की पहचान होती है।

---

5. छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया निःशेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष [5 अंक]

5(i). छोटा खेत किसका प्रतीक है ? [1 अंक]

(A) फ़सल रोपे जाने वाले खेत का
(B) आकार में छोटे खेत का
(C) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है
(D) कागज के उस पन्ने को जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है

सही उत्तर: (C) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है

हल:

अवधारणा:

- काव्य में खेत और कागज के प्रतीक-संबंध की पहचान।
- कवि ने खेती के रूपक में काव्य-रचना को समझाया है। आरंभिक दो पंक्तियाँ छोटे चौकोने खेत का संबंध कागज के पन्ने से सीधे जोड़ती हैं।

चरण 1: स्पष्ट संकेत पढ़ें 'छोटा मेरा खेत चौकोना / कागज का एक पन्ना' में खेत कोई भौतिक कृषि-भूमि नहीं है। वह कागज है जिस पर कवि की अनुभूति शब्दों में रूप लेती है।

चरण 2: विकल्प जाँचें (A) वास्तविक फसल वाला खेत बताता है और (B) केवल खेत का आकार बताता है; दोनों प्रतीक का अर्थ नहीं खोलते। (D) पुस्तक की जिल्द-बंदी पर बल देता है, जिसका काव्यांश में उल्लेख नहीं है। रचना शब्दबद्ध होने वाला पन्ना ही यहाँ उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष कागज का वह पन्ना जिस पर रचना शब्दबद्ध होती है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: प्रतीक पूछे जाने पर अगली पंक्ति का संबंध देखें; यहाँ कवि ने पन्ने को स्वयं खेत कहा है।

5(ii). 'अंधड़' से कवि का क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) हवा का तीव्र वेग

(B) शीतल-मंद-सुगंधित तेज हवा

(C) भावनाओं और विचारों का वेग

(D) धूल और मिट्टी से भरी तेज हवा

सही उत्तर: (C) भावनाओं और विचारों का वेग

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक आवेग के प्रतीक का अर्थ।
- कविता में प्राकृतिक खेती की शब्दावली द्वारा मन में घटती रचना-प्रक्रिया व्यक्त हुई है। अंधड़ उस तीव्र मानसिक हलचल का प्रतीक है जिससे अनुभूति का बीज जन्म लेता है।

चरण 1: अंधड़ का संदर्भ समझें 'कोई अंधड़ कहीं से आया / क्षण का बीज वहाँ बोया गया' से पता चलता है कि अंधड़ रचना की शुरुआत करने वाला आवेग है। यहाँ भावनाओं और विचारों का वेग कवि को सृजन के लिए प्रेरित करता है।

चरण 2: शाब्दिक अर्थ से अंतर करें (A) केवल तेज हवा और (D) धूल-मिट्टी वाली हवा का सामान्य अर्थ देते हैं। (B) शीतल-सुगंधित हवा बताता है। ये तीनों मौसम की दशाएँ हैं, जबकि कागज, कल्पना और शब्दों के संदर्भ में कवि की मानसिक हलचल अभीष्ट है।

चरण 3: निष्कर्ष भावनाओं और विचारों का वेग। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: अंधड़ के बाद बोए गए 'क्षण के बीज' को देखें; इससे उसका मानसिक और रचनात्मक अर्थ खुलेगा।

5(iii). कविता के संदर्भ में बताइए कि बीज किसके संसर्ग से अंकुरित हुआ। [1 अंक]

(A) खाद-पानी

(B) सूर्य का प्रकाश

(C) कल्पना

(D) मिट्टी-पानी

सही उत्तर: (C) कल्पना

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में अंकुरण के कारण की पहचान।
- कविता की रचना में अनुभूति बीज है और कल्पना उसे विकसित करने वाली शक्ति है। उत्तर तय करने के लिए काव्यांश में उल्लिखित पोषण का साधन देखना चाहिए।

चरण 1: पंक्ति का प्रमाण लें 'कल्पना के रसायनों को पी / बीज गल गया निःशेष' के बाद शब्दों के अंकुर फूटते हैं। अतः अनुभूति का बीज कल्पना के संसर्ग से काव्य के शब्दों में विकसित हुआ।

चरण 2: अन्य विकल्प हटाएँ (A) खाद-पानी, (B) सूर्य का प्रकाश और (D) मिट्टी-पानी वास्तविक खेती के सहायक हैं। काव्यांश इन्हें अंकुरण का कारण नहीं बताता। यहाँ खेती का रूपक है, इसलिए कविता की सृजन-शक्ति कल्पना वाला विकल्प ही पंक्तियों का आशय व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष कल्पना के संसर्ग से। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: कारण पूछने पर 'कल्पना के रसायनों को पी' वाली पंक्ति को अंकुर फूटने वाली पंक्ति से जोड़ें।

5(iv). बीज के गल जाने पर क्या हुआ ? [1 अंक]

(A) शब्दों के अंकुर फूटे

(B) कवि को पश्चात्ताप हुआ

(C) भावनाओं के अंकुर फूटे

(D) कवि की मेहनत व्यर्थ हुई

सही उत्तर: (A) शब्दों के अंकुर फूटे

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में घटना के परिणाम की पहचान।
- कवि अनुभूति से शब्द बनने की प्रक्रिया को बीज के गलने और अंकुर निकलने के रूप में चित्रित करता है। बीज का गलना यहाँ विनाश नहीं, सृजन का अगला चरण है।

चरण 1: अगली पंक्ति पढ़ें 'बीज गल गया नि:शेष' के तुरंत बाद 'शब्द के अंकुर फूटे' कहा गया है। अनुभव का बीज अपना प्रारंभिक रूप खोकर शब्दों में व्यक्त होता है और रचना विकसित होती है।

चरण 2: विकल्पों की तुलना करें (B) पश्चात्ताप और (D) मेहनत व्यर्थ होना कविता में नहीं कहा गया; ये सृजन की सफल परिणति के विपरीत हैं। (C) भावनाओं के अंकुर कहता है, जबकि पंक्ति में स्पष्टत: शब्द के अंकुर हैं। इसलिए पंक्ति के ठीक अनुरूप विकल्प चुना जाएगा।

चरण 3: निष्कर्ष शब्दों के अंकुर फूटे। अत: सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: परिणाम वाले प्रश्न में अगली पंक्ति देखें और 'शब्द' तथा 'भावना' के बीच का अंतर बनाए रखें।

5(v). खेती के रूपक द्वारा कवि ने प्रस्तुत किया है : [1 अंक]

(A) कृषि-कर्म प्रक्रिया को

(B) काव्य-रचना प्रक्रिया को

(C) खेती में आने वाली कठिनाइयों को

(D) खेती के महत्त्व को

सही उत्तर: (B) काव्य-रचना प्रक्रिया को

हल:

अवधारणा:

- समग्र रूपक का केंद्रीय आशय।
- इस काव्यांश में खेत, बीज और अंकुर जैसे कृषि-संबंधी बिंब रचना के विविध चरणों को व्यक्त करते हैं। रूपक का लक्ष्य सभी संकेतों को एक साथ जोड़कर समझा जाता है।

चरण 1: रूपक के घटक जोड़ें कागज खेत है, क्षण की अनुभूति बीज है, कल्पना उसका पोषण करती है और शब्द अंकुर बनते हैं। इन संबंधों से मन की अनुभूति के कविता में परिणत होने की प्रक्रिया सामने आती है।

चरण 2: अन्य आशयों को परखें (A) कृषि-कर्म की वास्तविक प्रक्रिया, (C) खेती की कठिनाइयाँ और (D) खेती का महत्त्व इस काव्यांश के केंद्रीय विषय नहीं हैं। कागज, कल्पना और शब्द का उल्लेख बताता है कि खेती का रूपक काव्य-रचना को समझाने के लिए प्रयुक्त हुआ है।

चरण 3: निष्कर्ष काव्य-रचना प्रक्रिया को। अत: सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: खेत, बीज, कल्पना और शब्द के संबंध साथ रखें; अकेले कृषि-शब्द देखकर वास्तविक खेती वाला उत्तर न चुनें।

6(i). सिंधु घाटी सभ्यता को 'लो प्रोफाइल सभ्यता' कहने का आधार इनमें से क्या नहीं है ? [1 अंक]

(A) छोटे आकार में मिलने वाली नावें

(B) छोटे मूर्तिशिल्प और औज़ार

(C) नरेश द्वारा धारण किया जाने वाला सिरपेंच

(D) छोटे-छोटे कमरों का मिलना

सही उत्तर: (D) छोटे-छोटे कमरों का मिलना

हल:

अवधारणा:

- निषेधात्मक प्रश्न में सभ्यता के गुण का अपवाद।
- लो प्रोफाइल सभ्यता से आशय अनावश्यक भव्यता और सत्ता के प्रदर्शन से दूर रहने वाली सभ्यता है। छोटे उपयोगी अवशेष और सादगी इस विशेषता के प्रमाण हैं।

चरण 1: पाठ में दिए आधार पहचानें पाठ में नावों के छोटे आकार, छोटे मूर्तिशिल्प और औजार तथा नरेश के अत्यंत छोटे सिरपेंच का उल्लेख प्रदर्शनहीनता के प्रमाण के रूप में हुआ है। इसलिए (A), (B) और (C) तीनों लो प्रोफाइल सभ्यता कहने के आधार हैं।

चरण 2: प्रश्न का अपवाद चुनें छोटे-छोटे कमरे मिलने की चर्चा आवासों की बनावट और उनके उपयोग के संदर्भ में आती है। इसे लेखक ने लो प्रोफाइल कहने के उक्त तर्क में शामिल नहीं किया है। प्रश्न सामान्यतः छोटी वस्तु नहीं पूछता, बल्कि इस विशेष नामकरण का आधार नहीं होने वाला विवरण पूछता है। इसलिए कमरे वाला विकल्प उचित है।

चरण 3: निष्कर्ष छोटे-छोटे कमरों का मिलना इस नामकरण का आधार नहीं है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: नहीं वाले प्रश्न में पाठ के विशिष्ट तर्क को देखें; नरेश का छोटा सिरपेंच भी प्रदर्शनहीनता का प्रमाण है।

6(ii). मराठी मास्टर ने आनंदा की कविता-गायन की रुचि को बढ़ावा किस प्रकार दिया ? [1 अंक]

(A) पाठशाला के बाहर समारोह में गायन का अवसर प्रदान कर

(B) कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर

(C) पाठशाला की प्रार्थना-सभा में गायन का अवसर प्रदान कर

(D) गाँव में होली के पर्व पर गायन का अवसर प्रदान कर

सही उत्तर: (B) कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर

हल:

अवधारणा:

- आनंदा की काव्य-रुचि के विकास में शिक्षक का योगदान।
- जूझ में शिक्षक का प्रोत्साहन आनंदा की रचनात्मक रुचि को विकसित करता है। प्रश्न विशेष रूप से कविता-गायन का अवसर देकर रुचि बढ़ाने की घटना पूछता है।

चरण 1: घटना का संदर्भ लें मराठी मास्टर आनंदा की कविता गाने की रुचि को पहचानते हैं। वे उसे कक्षा में बड़ी कक्षा के विद्यार्थियों के सामने कविता गाने का अवसर देते हैं। इस मान्यता से उसके भीतर अपनी क्षमता का विश्वास और अभ्यास की प्रेरणा बढ़ती है।

चरण 2: अन्य स्थानों से अंतर करें (A) पाठशाला के बाहर समारोह, (C) प्रार्थना-सभा और (D) गाँव के होली पर्व पर गायन इस प्रश्न में पूछे गए प्रोत्साहन की घटना नहीं हैं। निर्णायक बात कक्षा में बड़े छात्रों के सामने गायन का अवसर मिलना है। इसलिए केवल स्थान की सामान्य समानता से अन्य विकल्प नहीं चुने जा सकते।

चरण 3: निष्कर्ष कक्षा में बड़ी कक्षा के छात्रों के सम्मुख गायन का अवसर प्रदान कर। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: घटना में स्थान और श्रोता दोनों याद रखें; यहाँ कक्षा और बड़ी कक्षा के छात्र निर्णायक संकेत हैं।

6(iii). 'गधा पचीसी' मुहावरे का अर्थ 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के संदर्भ में है : [1 अंक]

(A) गधे की तरह दिन-रात काम करना

(B) गधे की तरह बिना थके काम करना

(C) युवावस्था में फालतू के काम करना

(D) युवावस्था में मन लगाकर काम करना

सही उत्तर: (C) युवावस्था में फालतू के काम करना

हल:

अवधारणा:

- मुहावरे का प्रसंगानुसार अर्थ।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: मुहावरे का आशय समझें 'गधा पचीसी' का संबंध युवावस्था की उस नासमझी से है, जिसमें व्यक्ति अनुभव और परिपक्वता के अभाव में निरर्थक काम करता है। कहानी में इसका प्रयोग इसी अपरिपक्व अवस्था के लिए हुआ है। यहाँ गधे का उल्लेख वास्तविक श्रम या शारीरिक सहनशक्ति बताने के लिए नहीं है।

चरण 2: विकल्पों को प्रसंग से मिलाएँ विकल्प (C) में युवावस्था में फालतू काम करने का अर्थ दिया गया है, जो मुहावरे के भाव से मेल खाता है। (A) दिन-रात श्रम और (B) बिना थके श्रम का संकेत देते हैं, इसलिए दोनों अनुपयुक्त हैं। (D) मन लगाकर काम करना सकारात्मक एकाग्रता बताता है, जबकि मुहावरे में अपरिपक्वता का भाव है।

चरण 3: निष्कर्ष युवावस्था में फालतू के काम करना; सही विकल्प (C)।

त्वरित सुझाव: मुहावरे का शब्दशः अर्थ लेने से पहले कहानी में उसका व्यंग्यात्मक आशय पहचानिए।

6(iv). किशनदा के आदर्शों पर चलने से यशोधर बाबू के पारिवारिक, जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? [1 अंक]

(A) उनका पारिवारिक जीवन अत्यंत सरल हो गया

(B) उनका परिवार आदर्शवादी परिवार बन गया

(C) उनका परिवार सिद्धांतवादी परिवार बन गया

(D) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

सही उत्तर: (D) उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा

हल:

अवधारणा:

- पीढ़ियों का वैचारिक अंतर।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: यशोधर बाबू के आदर्श पहचानें यशोधर बाबू के जीवन पर किशनदा के सादे, परंपरागत और सिद्धांतप्रधान जीवन का गहरा प्रभाव है। वे अपने परिवार के रहन-सहन और व्यवहार को भी इन्हीं कसौटियों से देखते हैं। दूसरी ओर उनके बच्चे आधुनिक जीवन, नई सुविधाओं और उत्सवों की ओर आकर्षित हैं।

चरण 2: पारिवारिक परिणाम स्पष्ट करें दोनों पक्षों की जीवन-दृष्टि अलग होने से यशोधर बाबू को परिवार की अनेक बातें असंगत लगती हैं और परिवार को उनकी आपत्तियाँ पुरानी सोच का परिणाम लगती हैं। इसलिए (D) उचित है। (A) सरल जीवन, (B) आदर्शवादी परिवार और (C) सिद्धांतवादी परिवार बन जाने की बात करते हैं; कहानी में पूरे परिवार द्वारा उनके आदर्श अपना लेने का ऐसा परिणाम नहीं मिलता।

चरण 3: निष्कर्ष उनका अपने परिवार से मतभेद रहने लगा; सही विकल्प (D)।

त्वरित सुझाव: पिता के व्यक्तिगत आदर्शों और पूरे परिवार की जीवन-शैली में अंतर देखकर परिणाम चुनिए।

6(ix). मुअनजो-दड़ो में मिले विशाल कोठार का प्रयोग किस लिए किया जाता होगा ? [1 अंक]

(A) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए

(B) कर के रूप में एकत्रित धन रखने के लिए

(C) उपासना केंद्र के रूप में

(D) महासभा भवन के रूप में

सही उत्तर: (A) कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक अवशेषों का उपयोग।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: कोठार की प्रकृति पहचानें कोठार अनाज को एकत्र करके सुरक्षित रखने का बड़ा भंडार होता है। मुअनजो-दड़ो में मिले विशाल कोठार का आकार संगठित भंडारण व्यवस्था की ओर संकेत करता है। पाठ में इसके उपयोग का अनुमान कर के रूप में एकत्र किए गए अन्न को रखने से जुड़ा है।

चरण 2: अन्य उपयोगों से अंतर करें विकल्प (A) कोठार और अन्न-भंडारण के संबंध को ठीक व्यक्त करता है। (B) में धन रखने की बात है, जो इस प्रसंग में बताए गए अनाज के स्थान पर दूसरा पदार्थ रख देती है। (C) उपासना केंद्र धार्मिक उपयोग बताता है और (D) महासभा भवन सामूहिक सभा का स्थान बताता है; ये दोनों कोठार के भंडारण संबंधी उपयोग से मेल नहीं खाते।

चरण 3: निष्कर्ष कर के रूप में एकत्रित अनाज रखने के लिए; सही विकल्प (A)।

त्वरित सुझाव: कोठार शब्द का अन्न-भंडार वाला अर्थ याद रखकर भवन के संभावित उपयोग का निर्णय कीजिए।

6(v). यशोधर बाबू सिल्वर वैडिंग मनाने के पक्ष में क्यों नहीं थे ? [1 अंक]

(A) वे इसे पैसों की बर्बादी मानते थे

(B) वे इसे समय की बर्बादी मानते थे

(C) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे

(D) वे रूढ़िवादी विचारों के थे

सही उत्तर: (C) वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे

हल:

अवधारणा:

- उत्सव के प्रति सांस्कृतिक दृष्टिकोण।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: आपत्ति का मुख्य आधार समझें यशोधर बाबू विवाह की पच्चीसवीं वर्षगाँठ को 'सिल्वर वैडिंग' कहकर मनाने की पद्धति से अपने को जुड़ा हुआ नहीं पाते। उनकी जीवन-दृष्टि परंपरागत है और वे इस उत्सव को विदेशी रीति मानते हैं। प्रश्न उनके विरोध के इसी विशिष्ट आधार को पूछता है।

चरण 2: सटीक कारण चुनें (C) का विदेशी कस्टम वाला कथन उनकी प्रत्यक्ष आपत्ति बताता है। (A) पैसों की बर्बादी और (B) समय की बर्बादी इस प्रश्न का मुख्य पाठगत कारण नहीं हैं। (D) रूढ़िवादी विचारों का होना उनके व्यक्तित्व का सामान्य मूल्यांकन हो सकता है, लेकिन पूछे गए उत्सव का विरोध करने का विशिष्ट कारण (C) जितनी स्पष्टता से नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष वे इसे विदेशी कस्टम मानते थे; सही विकल्प (C)।

त्वरित सुझाव: किसी व्यवहार का विशेष कारण पूछा जाए तो सामान्य स्वभाव के स्थान पर पाठ की प्रत्यक्ष वजह चुनिए।

6(vi). आनंदा के पिता ईख पेरने का काम दूसरे किसानों से पहले ही क्यों शुरू कर देते थे ? [1 अंक]

(A) ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए

(B) जल्दी ही खेती के काम से मुक्ति पाने के लिए

(C) गाँव में इधर-उधर घूमने के लिए

(D) दूसरे किसानों से पहले काम समाप्त करने के लिए

सही उत्तर: (A) ईख की अच्छी खासी कीमत पाने के लिए

हल:

अवधारणा:

- किसान का आर्थिक उद्देश्य।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: जल्दी पेराई का उद्देश्य पहचानें आनंदा के पिता दूसरों से पहले ईख पेरने का काम शुरू करते थे। इस जल्दी का संबंध काम से छुटकारा पाने से अधिक अच्छी कीमत प्राप्त करने की इच्छा से था। जब दूसरे किसानों का उत्पादन बाजार में पर्याप्त मात्रा में न पहुँचा हो, तब पहले तैयार माल से बेहतर मूल्य मिलने की आशा रहती है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण करें (A) अच्छी-खासी कीमत पाने का आर्थिक उद्देश्य बताता है और पाठ के प्रसंग से मेल खाता है। (B) खेती के काम से मुक्ति और (C) इधर-उधर घूमने की बात कहते हैं, जो इस काम को पहले शुरू करने की प्रेरणा नहीं हैं। (D) केवल पहले काम समाप्त होने का परिणाम बताता है; वह अच्छी कीमत पाने का वास्तविक उद्देश्य नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष ईख की अच्छी-खासी कीमत पाने के लिए; सही विकल्प (A)।

त्वरित सुझाव: काम जल्दी समाप्त होने जैसे परिणाम और उसे जल्दी करने के आर्थिक उद्देश्य में अंतर रखिए।

6(vii). चौथी से पाँचवी कक्षा तक अपनी लगने वाली पाठशाला आनंदा को एकदम पराई जैसी क्यों लगने लगी ? [1 अंक]

(A) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण

(B) मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण

(C) चव्हान के लड़के द्वारा खिल्ली उड़ाने के कारण

(D) नई कक्षा की कठिन पढ़ाई के कारण

सही उत्तर: (A) सहपाठियों के पास हो आगे की कक्षा में चले जाने के कारण

हल:

अवधारणा:

- विद्यालय लौटने पर अलगाव का अनुभव।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: पढ़ाई में आए अंतराल का प्रभाव समझें आनंदा की पढ़ाई में रुकावट आई थी। जब वह फिर पाठशाला पहुँचा, तब उसके पुराने सहपाठी परीक्षा में उत्तीर्ण होकर आगे की कक्षाओं में जा चुके थे। परिचित साथियों का समूह अब उसके साथ नहीं था। इसी बदलाव से पहले अपनी लगने वाली जगह उसे पराई दिखाई देने लगी।

चरण 2: कारण को अन्य घटनाओं से अलग करें (A) पुराने सहपाठियों के आगे चले जाने की बात कहता है, इसलिए यही उपयुक्त कारण है। (B) मास्टर जी का कठोर व्यवहार, (C) चव्हान के लड़के की खिल्ली और (D) कठिन पढ़ाई अलग तरह की कठिनाइयाँ बता सकते हैं, पर परिचित पाठशाला के अचानक अपरिचित लगने का मूल कारण पुराने साथियों का साथ छूटना है।

चरण 3: निष्कर्ष सहपाठियों के पास होकर आगे की कक्षा में चले जाने के कारण; सही विकल्प (A)।

त्वरित सुझाव: अपनापन घटने के प्रश्न में परिचित व्यक्तियों और पुराने समूह में आए परिवर्तन को खोजिए।

6(viii). 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए कि राखालदास बनर्जी मुअनजो-दड़ो में किसकी खोज करना चाहते थे। [1 अंक]

(A) गढ़

(B) स्नानागार

(C) महाकुंड

(D) बौद्ध स्तूप

सही उत्तर: (D) बौद्ध स्तूप

हल:

अवधारणा:

- खोज के आरंभिक उद्देश्य की पहचान।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: आरंभिक खोज और बाद की उपलब्धि अलग करें राखालदास बनर्जी का मुअनजो-दड़ो पहुँचना बौद्ध स्तूप की खोज के संदर्भ में था। इस खोज के क्रम में प्राचीन सभ्यता के अवशेष सामने आए। प्रश्न यह नहीं पूछता कि वहाँ बाद में कौन-कौन से महत्वपूर्ण अवशेष मिले, बल्कि यह पूछता है कि वे किसे खोजने गए थे।

चरण 2: विकल्पों को प्रश्न से मिलाएँ (D) बौद्ध स्तूप उनके आरंभिक खोज-उद्देश्य को व्यक्त करता है। (A) गढ़, (B) स्नानागार और (C) महाकुंड मुअनजो-दड़ो के पुरातात्त्विक वर्णन से संबंधित नाम हैं, पर इस प्रसंग में उनकी खोज का मूल लक्ष्य नहीं हैं। किसी स्थल से जुड़े सभी निर्माणों को एक ही खोजकर्ता का आरंभिक उद्देश्य मान लेना उचित नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष बौद्ध स्तूप; सही विकल्प (D)।

त्वरित सुझाव: खोजने निकले किसे थे और खोज में मिला क्या, इन दो बातों को अलग करके उत्तर चुनिए।

6(x). निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन *(A)* : सिंधु घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है।

कारण *(R)* : (I) खुदाई के दौरान मिली वस्तुओं से उनकी कला-सिद्धता का ज्ञान होता है।

(II) नगर-नियोजन से उनकी सौंदर्य-प्रियता का ज्ञान होता है। [1 अंक]

(A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(B) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।

(D) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।

सही उत्तर: (A) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन और कारण का तार्किक संबंध।
- उत्तर के लिए पाठ के संबंधित प्रसंग और विकल्पों के अर्थ का मिलान आवश्यक है।

चरण 1: कथन की सत्यता जाँचें सिंधु घाटी सभ्यता के संबंध में पाठ उसकी सौंदर्यप्रियता को विशेष महत्व देता है। उपयोग की वस्तुओं और नगर की बनावट में सुघड़ता तथा व्यवस्था दिखाई देती है। अतः यह कथन सही है कि इस सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्यबोध है।

चरण 2: कारण के दोनों अंश जाँचें खुदाई में प्राप्त वस्तुएँ उनकी कला-सिद्धता का प्रमाण देती हैं, इसलिए कारण का पहला अंश सही

है। नगर-नियोजन में सुव्यवस्था और सौंदर्यप्रियता दिखाई देना दूसरे अंश को भी सही सिद्ध करता है। दोनों अंश सभ्यता की कलात्मक संवेदना के ठोस आधार बताते हैं।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध तय करें वस्तुओं में कला और नगर-योजना में सौंदर्य का दिखाई देना बताता है कि सौंदर्यबोध केवल एक दावा नहीं, जीवन-व्यवहार में विद्यमान विशेषता है। इसलिए कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (B) दोनों को गलत, (C) कारण को गलत और (D) कथन को गलत बताता है; ये तीनों निष्कर्ष पाठ के प्रमाणों के प्रतिकूल हैं।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है; सही विकल्प (A)।

त्वरित सुझाव: कथन-कारण में पहले दोनों की सत्यता और फिर कारण से कथन सिद्ध होने का संबंध जाँचिए।

7(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कहानी के वे कौन-से तत्त्व हैं जो नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों में नहीं ढल पाते ? इन्हें नाटक में किस प्रकार स्थान दिया जा सकता है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में कथावाचक वर्णन और मनोविश्लेषण कर सकता है, जबकि नाटक में कथ्य मुख्यत: पात्रों की क्रियाओं और संवादों से सामने आता है।
- रूपांतरण में मूल भाव सुरक्षित रखते हुए अदृश्य अनुभव को मंच पर व्यक्त करने योग्य संकेत में बदलना होता है।

चरण 1: सीधे दृश्य में न बदलने वाले तत्त्व पहचानना कहानी में लेखक पात्र के मन की बात, भावों का सूक्ष्म विश्लेषण, लंबा परिवेश-वर्णन और बीती घटनाओं की जानकारी दे सकता है। ऐसे विवरण स्वयं कोई मंचीय क्रिया नहीं होते। इसलिए उन्हें ज्यों-का-त्यों दृश्य बनाकर प्रस्तुत करना कठिन है; मंच पर उनकी अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति खोजनी पड़ती है।

चरण 2: नाटकीय अभिव्यक्ति का माध्यम चुनना मन के विचार स्वगत कथन या प्रसंगानुकूल संवाद से, भाव अभिनय और मुखमुद्रा से तथा वातावरण प्रकाश, ध्वनि और मंच-सज्जा से व्यक्त किया जा सकता है। आवश्यक पिछली घटना की सूचना संवाद या सूत्रधार से दी जा सकती है। इन साधनों का प्रयोग कथा की गति और मूल संवेदना के अनुकूल होना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष कहानी के मनोभाव, अंतर्द्वंद्व, लेखक की टिप्पणियाँ, परिवेश के विस्तृत वर्णन और बीती घटनाओं के विवरण सीधे दृश्यों में नहीं ढलते। इन्हें पात्रों के संवाद, स्वगत कथन, अभिनय और आवश्यकता होने पर सूत्रधार द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। प्रकाश, ध्वनि और मंच-सज्जा भी वातावरण तथा भावों को मूर्त करते हैं। इस प्रकार मूल कथ्य और संवेदना सुरक्षित रखी जाती है।

त्वरित सुझाव: पहले अदृश्य तत्त्व लिखिए, फिर प्रत्येक के सामने उसका मंचीय माध्यम दीजिए; जैसे अंतर्द्वंद्व के लिए स्वगत कथन।

7(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; श्रोता दृश्य देखे बिना संवाद और ध्वनि से घटनाओं का अनुमान करता है।
- रेडियो नाटक का संवाद पात्रानुकूल होने के साथ कथा, स्थान और भाव की आवश्यक जानकारी सहज रूप से देता है।

चरण 1: श्रव्य माध्यम की आवश्यकता समझना मंच या चलचित्र की तरह रेडियो पर पात्र की वेशभूषा, हावभाव और गतिविधि दिखाई नहीं देती। इसलिए संवाद सुनते ही प्रसंग समझ में आना चाहिए। केवल इधर, उधर या वह देखकर जैसे अस्पष्ट संकेत पर्याप्त नहीं हैं।

जरूरी पहचान बातचीत में स्वाभाविक रूप से आनी चाहिए, कृत्रिम विवरण की तरह नहीं।

चरण 2: भाषा और प्रस्तुति की सावधानियाँ बताना संवाद छोटे, स्पष्ट, बोलचाल के और पात्र की आयु, स्वभाव तथा परिस्थिति के अनुकूल हों। कठिन शब्द, लंबे वाक्य और बहुत सारे पात्रों का एक साथ बोलना समझने में बाधा देते हैं। स्वर, विराम, ध्वनि-संकेत और आवश्यक संबोधन से पात्र तथा भाव अलग पहचाने जाएँ; संवाद केवल सूचना का बोझ न बन जाए। उसे सुनकर कहानी की गति और पात्र की मनःस्थिति भी समझ में आए।

चरण 3: निष्कर्ष रेडियो नाटक के संवाद छोटे, सरल, स्पष्ट, स्वाभाविक और पात्रानुकूल होने चाहिए। श्रोता दृश्य नहीं देखता, इसलिए पात्र, स्थान, घटना और भाव की आवश्यक जानकारी बातचीत से सहज रूप में मिले। कठिन शब्दों, लंबे वाक्यों, अस्पष्ट संकेतों और अनावश्यक विवरण से बचें। पात्रों की आवाजें अलग पहचानी जाएँ तथा विराम, स्वर और ध्वनि-संकेत संवादों के अर्थ को स्पष्ट करें।

त्वरित सुझाव: संवाद को आँखें बंद करके सुनने की कल्पना कीजिए; यदि पात्र, घटना या स्थान अस्पष्ट है, तो आवश्यक संकेत जोड़िए।

7(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

कहानी को नाटक में रूपांतरित करने हेतु किन्हीं तीन आवश्यक बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- नाट्य रूपांतरण में कहानी का मूल कथ्य और संवेदना बनाए रखते हुए उसे मंचीय क्रिया का रूप दिया जाता है।
- कथानक का दृश्य-विभाजन, पात्रानुकूल संवाद और मंचीय साधनों का विचार रूपांतरण के प्रमुख आधार हैं।

चरण 1: कथानक और संवाद की योजना बनाना पहला आवश्यक बिंदु कहानी के मूल कथानक, केंद्रीय संघर्ष और घटनाक्रम को समझकर उपयुक्त दृश्यों में बाँटना है। दूसरा बिंदु वर्णन को पात्रों की क्रिया तथा स्वाभाविक संवादों में बदलना है। संवाद पात्र के स्वभाव और परिस्थिति के अनुरूप हों; वे कथा को आगे बढ़ाएँ और संबंधों को स्पष्ट करें।

चरण 2: मंचीय व्यवहार्यता की जाँच करना तीसरा बिंदु स्थान, समय, पात्रों की संख्या और मंच-सज्जा की व्यावहारिक सीमाओं को ध्यान में रखना है। प्रकाश, ध्वनि और अभिनय के निर्देश आवश्यकतानुसार दिए जाएँ। ऐसा दृश्य-विधान चुना जाए जिसे मंच पर प्रस्तुत किया जा सके और जिससे कहानी का मूल प्रभाव बना रहे; केवल कहानी को संवादों में लिख देना पर्याप्त नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष कहानी के नाट्य रूपांतरण के तीन आवश्यक बिंदु हैं। पहला, मूल कथानक और संवेदना सुरक्षित रखते हुए घटनाओं को उपयुक्त दृश्यों में बाँटना। दूसरा, कथावाचक के वर्णन को पात्रानुकूल, स्वाभाविक संवादों और अभिनय योग्य क्रियाओं में बदलना। तीसरा, मंच की सीमाओं के अनुसार स्थान, समय, मंच-सज्जा, प्रकाश तथा ध्वनि की योजना बनाना, ताकि कथा का प्रभाव दर्शकों तक पहुँचे।

त्वरित सुझाव: तीन बिंदुओं को कथानक, संवाद और मंच के क्रम में लिखिए तथा प्रत्येक के साथ उसका रूपांतरण-संबंधी कार्य स्पष्ट कीजिए।

8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

रेडियो और टी.वी. के लिए समाचार लिखते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; उसके समाचार सुनते ही समझ में आने चाहिए। टेलीविजन में शब्दों और दृश्यों का तालमेल आवश्यक होता है।
- दोनों माध्यमों में समाचार की सत्यता, स्पष्टता और सहज बोलचाल की भाषा महत्त्वपूर्ण है। उत्तर में दोनों की साझा अपेक्षाएँ और दृश्य माध्यम की विशेषता आएगी।

चरण 1: उत्तर की रूपरेखा पहले सरल भाषा, छोटे वाक्य और विश्वसनीय तथ्यों का उल्लेख करें। फिर रेडियो में ध्वनि और टेलीविजन में दृश्य के अनुरूप लेखन की बात रखें। कठिन आँकड़ों और अस्पष्ट अभिव्यक्तियों से बचने का कारण यह है कि श्रोता या दर्शक पढ़े हुए पाठ की तरह समाचार को तुरंत दोबारा नहीं देख सकता।

चरण 2: माध्यम की विशेषता पहचानें रेडियो में दृश्य उपस्थित नहीं होता, इसलिए शब्द अपने आप में अर्थपूर्ण हों। टी.वी. में समाचार के साथ दृश्य चलते हैं, इसलिए कथन में वही सूचना जोड़ें जो दृश्य का संदर्भ समझाए। दोनों में प्रसारण से पहले पाठ को बोलकर जाँचना उपयोगी है, जिससे कठिन उच्चारण और अस्वाभाविक वाक्य पहचान में आ जाएँ।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर रेडियो और टी.वी. के समाचार सरल, स्पष्ट और बोलचाल की भाषा में लिखने चाहिए। वाक्य छोटे तथा सुनते ही समझ में आने वाले हों। तथ्यों, नामों, आँकड़ों और उच्चारण की शुद्धता जाँचनी चाहिए। कठिन शब्दों, लंबे विवरण और अनावश्यक विशेषणों से बचना चाहिए। प्रमुख सूचना पहले देते हुए निर्धारित समय का ध्यान रखना चाहिए। रेडियो में शब्द और ध्वनि ही घटना का बोध कराते हैं। टी.वी. में आलेख उपलब्ध दृश्यों के अनुकूल हो; शब्द दृश्य को स्पष्ट करें और उसकी अनावश्यक पुनरावृत्ति न करें।

चरण 4: निष्कर्ष समाचार लेखन में शुद्ध तथ्य, सहज भाषा, समय की सीमा तथा श्रव्य या दृश्य माध्यम की प्रकृति का ध्यान रखना आवश्यक है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में साझा नियम लिखने के बाद रेडियो की श्रव्यता और टी.वी. के दृश्य-शब्द तालमेल का अंतर अवश्य जोड़ें।

8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष लेखन से क्या अभिप्राय है ? विशेष लेखन की भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ?

[4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- विशेष लेखन पत्रकारिता में किसी विशिष्ट विषय या क्षेत्र पर गहरी जानकारी के आधार पर किया गया लेखन है। इसकी पहचान विषयगत विशेषज्ञता और विश्लेषण है।
- विषय की तकनीकी प्रकृति भाषा और शैली को प्रभावित करती है। विशिष्ट शब्दावली के प्रयोग के साथ सामान्य पाठक के लिए उसका अर्थ स्पष्ट करना आवश्यक है।

चरण 1: परिभाषा और उदाहरण निर्धारित करें उत्तर के पहले भाग में विशेष लेखन का अर्थ बताएँ और अर्थव्यवस्था, विज्ञान या खेल जैसे क्षेत्रों के उदाहरण दें। केवल किसी घटना की सूचना देना पर्याप्त नहीं; उसकी पृष्ठभूमि, कारण और प्रभाव का विषयगत विश्लेषण भी इस लेखन का हिस्सा है। लेखक की उस क्षेत्र में समझ और तैयारी आवश्यक होती है।

चरण 2: भाषा और शैली में अंतर का कारण समझें दूसरे भाग में स्पष्ट करें कि विशिष्ट विषय की अपनी अवधारणाएँ और पारिभाषिक शब्द होते हैं। इसलिए सामान्य लेखन की अपेक्षा अधिक सटीक शब्दावली तथा आँकड़ों और प्रमाणों की जरूरत पड़ सकती है। विश्लेषण को क्रमबद्ध ढंग से रखना चाहिए। विशेषज्ञता का अर्थ अनावश्यक कठिन भाषा लिखना नहीं है; आवश्यक तकनीकी पदों को सहज ढंग से समझाना चाहिए।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर पत्रकारिता में किसी विशिष्ट विषय या क्षेत्र की गहरी जानकारी के आधार पर किया गया लेखन विशेष लेखन कहलाता है। अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेल, कृषि और कानून इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इसमें सूचनाओं के साथ उनकी पृष्ठभूमि, कारणों और प्रभावों का विश्लेषण किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी अवधारणाएँ और पारिभाषिक शब्दावली होती है, इसलिए इसकी भाषा और शैली सामान्य लेखन से अलग होती है। विषय की सटीक व्याख्या के लिए तकनीकी शब्दों, प्रामाणिक आँकड़ों और तार्किक विवेचन का सहारा लिया जाता है।

चरण 4: निष्कर्ष विशेष लेखन की विशिष्टता विषय के गहन ज्ञान में है; उसी विषय की आवश्यकताएँ उसकी शब्दावली और विश्लेषणात्मक शैली निर्धारित करती हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर को दो हिस्सों में रखें: पहले विशेष लेखन का अर्थ और उदाहरण, फिर विशिष्ट शब्दावली तथा विश्लेषण की आवश्यकता का कारण।

8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराने माध्यम की दो खूबियाँ और दो कमियाँ लिखिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आधुनिक जनसंचार माध्यमों में मुद्रित माध्यम सबसे पुराना है। समाचारपत्र और पत्रिकाएँ इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- मुद्रित सामग्री का स्थायित्व और अध्ययन की सुविधा उसकी खूबियाँ हैं; साक्षरता पर निर्भरता और तात्कालिक प्रसारण का अभाव उसकी सीमाएँ हैं।

चरण 1: माध्यम की सही पहचान यहाँ सबसे पुराने आधुनिक माध्यम से आशय मुद्रित माध्यम से है। उत्तर में इसका नाम पहले स्पष्ट करना चाहिए। रेडियो, टेलीविज़न और इंटरनेट की विशेषताओं को मुद्रित माध्यम की विशेषताओं के साथ नहीं मिलाना चाहिए।

चरण 2: दो खूबियाँ और दो कमियाँ चुनना पाठक मुद्रित समाचार को अपने अनुकूल समय और गति से पढ़ सकता है तथा सुरक्षित रखकर दोबारा देख सकता है। ये दो अलग खूबियाँ हैं। दूसरी ओर, पढ़ने के लिए साक्षर होना आवश्यक है तथा छपाई और वितरण के कारण नवीनतम घटना का समाचार तुरंत नहीं पहुँचता। ये इसकी दो प्रमुख कमियाँ हैं।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में आदर्श उत्तर आधुनिक जनसंचार का सबसे पुराना माध्यम मुद्रित माध्यम है, जैसे समाचारपत्र और पत्रिकाएँ। इसकी पहली खूबी है कि पाठक अपनी सुविधा, रुचि और गति के अनुसार सामग्री पढ़ सकता है। दूसरी खूबी है कि सामग्री सँभालकर रखी जा सकती है और बार-बार पढ़ी जा सकती है। इसकी पहली कमी है कि इसका लाभ उठाने के लिए साक्षर होना आवश्यक है। दूसरी कमी है कि छपाई और वितरण में समय लगने के कारण यह रेडियो, टेलीविज़न या इंटरनेट की तरह तत्काल समाचार नहीं पहुँचा सकता।

चरण 4: निष्कर्ष मुद्रित माध्यम सबसे पुराना आधुनिक जनसंचार माध्यम है; सुविधानुसार पठन और संग्रह इसकी खूबियाँ, जबकि साक्षरता पर निर्भरता और समाचार पहुँचने में विलंब इसकी कमियाँ हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पहले माध्यम का नाम लिखें, फिर ठीक दो खूबियाँ और दो कमियाँ अलग-अलग स्पष्ट करें।

9(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

शहरों में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में अनुभव, कल्पना और विचार का सहज संयोजन होता है। दिए गए विषय का केंद्रीय भाव शहर के यातायात जाम से उत्पन्न कठिनाइयाँ और उनके समाधान हैं।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में प्रभावी शीर्षक, दृश्यात्मक आरंभ, विषय का संक्षिप्त विस्तार और सार्थक अंत होना चाहिए। भाषा मौलिक और प्रवाहपूर्ण रहे।

चरण 1: लेख का रूप और विषय-सीमा यह रचनात्मक लेख है, इसलिए इसके लिए पत्र का संबोधन, प्रेषक का पता या समापन नहीं लिखना है। उपयुक्त शीर्षक देकर सीधे विषय आरंभ करें। शहर का एक परिचित दृश्य पाठक को समस्या से जोड़ सकता है। केवल समस्याओं की सूची देने के बजाय जाम में फँसे व्यक्ति की अनुभूति और शहर की धीमी पड़ती गति को उभारें।

चरण 2: सामग्री का क्रम पहले वाहनों की लंबी कतार, हॉर्न और धुएँ का दृश्य लें। फिर निजी वाहनों की बढ़ती संख्या, अव्यवस्थित पार्किंग और नियमों की अनदेखी जैसे कारण जोड़ें। समय की बर्बादी, प्रदूषण तथा आपातकालीन सेवाओं में बाधा इसके प्रभाव हैं। अंत में सार्वजनिक परिवहन और नागरिक अनुशासन से समाधान की दिशा दिखाएँ। लेख में बिना आधार के आँकड़े या किसी विशेष शहर के बारे में अप्रमाणित दावा जोड़ना आवश्यक नहीं है।

चरण 3: लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख **सड़कों पर थमी ज़िंदगी**

सुबह के नौ बजे हैं। सड़क पर गाड़ियों की कतार दूर तक फैली है। हॉर्न का शोर और धुएँ की चादर शहर की बेचैनी बयान कर रहे हैं। कोई दफ़्तर पहुँचने को परेशान है, तो कोई परीक्षा छूटने के डर से घड़ी देख रहा है। बढ़ते निजी वाहन, अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात नियमों की अनदेखी ने सड़कों को जकड़ लिया है। जाम केवल समय नहीं खाता, ईंधन और स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुँचाता है। एंबुलेंस की आवाज़ इस भीड़ में असहाय लगती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन, साझा सवारी और नियमों का पालन राहत दे सकते हैं। पैदल यात्रियों और साइकिलों को भी जगह मिलनी चाहिए। शहर तभी आगे बढ़ेगा, जब नागरिक सड़क को अपनी निजी संपत्ति नहीं, साझा ज़िम्मेदारी समझेंगे।

चरण 4: निष्कर्ष लेख यातायात जाम के परिचित दृश्य से आरंभ होकर उसके कारणों और प्रभावों को सामने लाता है तथा सामूहिक ज़िम्मेदारी और व्यावहारिक उपायों के साथ समाप्त होता है।

त्वरित सुझाव: रचनात्मक लेख में एक सजीव दृश्य से आरंभ करें और अंतिम वाक्य में विषय से जुड़ा स्पष्ट संदेश दें।

9(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

पर्वतीय यात्रा के दौरान जब अचानक भू-स्खलन हुआ [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में किसी अनुभव को घटनाक्रम, दृश्य और भावनाओं के माध्यम से सजीव बनाया जाता है। यहाँ पर्वतीय यात्रा में अचानक हुए भू-स्खलन के अनुभव को प्रथम पुरुष में प्रस्तुत करना उपयुक्त है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में आरंभ, संकट, राहत और अनुभव से मिली सीख का स्वाभाविक क्रम रखें। शीर्षक विषय के अनुरूप और भाषा चित्रात्मक हो।

चरण 1: प्रारूप और विषयवस्तु की योजना पहले संक्षिप्त शीर्षक दें। आरंभ में पहाड़ों का सुंदर दृश्य और यात्रियों का उत्साह बताएँ। फिर अचानक गिरते पत्थरों और मलबे से उत्पन्न भय का वर्णन करें। सुरक्षित स्थान पर पहुँचने, सहायता मिलने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी समझने के साथ लेख समाप्त करें। अनावश्यक विवरण के स्थान पर कुछ प्रभावपूर्ण दृश्य चुनें। संवाद के बिना भी हाथ पकड़ने, अचानक शोर होने और यात्रियों के एक-दूसरे की सहायता करने जैसे छोटे विवरण अनुभव को विश्वसनीय बनाते हैं। शीर्षक के बाद सीधे घटनाक्रम आरंभ करें; पत्र की तरह संबोधन या हस्ताक्षर आवश्यक नहीं हैं।

चरण 2: संपूर्ण आदर्श रचनात्मक लेख **पहाड़ की चेतावनी**

बस घुमावदार सड़क पर धीरे-धीरे चढ़ रही थी। खिड़की से दिखती हरी घाटियाँ मन मोह रही थीं। तभी पहाड़ से गड़गड़ाहट सुनाई दी। देखते ही देखते पत्थर और मिट्टी सड़क पर गिरने लगे। चालक ने तुरंत बस रोक दी। यात्रियों की हँसी अचानक चीखों में बदल गई। माँ ने मेरा हाथ कसकर पकड़ लिया। चालक के निर्देश पर हम सावधानी से बस से उतरे और सुरक्षित स्थान पर पहुँचे। कुछ लोगों ने बच्चों और बुजुर्गों की सहायता की। थोड़ी देर में बचाव दल आ गया। रास्ता बंद था, पर सब सुरक्षित थे। उस दिन पहाड़ों की सुंदरता के पीछे छिपी शक्ति का अनुभव हुआ। लौटते समय मैंने निश्चय किया कि प्रकृति का आनंद लूँगा, पर उसकी चेतावनियों और सुरक्षा नियमों की अनदेखी कभी नहीं करूँगा।

चरण 3: निष्कर्ष यह लेख यात्रा के आनंद से संकट और राहत तक के घटनाक्रम को सजीव बनाता है तथा प्रकृति और सुरक्षा के प्रति सजगता का संदेश देता है।

त्वरित सुझाव: अनुभवपरक लेख में एक निर्णायक क्षण चुनें और दृश्य, ध्वनि तथा मनोभावों से उसे सजीव बनाएँ; अंत में अनुभव से उपजी सीख जोड़ें।

9(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

जब अंतरिक्ष में घर बन जाएँगे [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कल्पनापरक रचनात्मक लेख भविष्य की संभावनाओं को सजीव दृश्यों और मानवीय अनुभवों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। अंतरिक्ष में घर बनने की कल्पना में दैनिक जीवन, नई सुविधाओं और चुनौतियों का संतुलित चित्रण करें।
- लगभग 120 शब्दों में आकर्षक शीर्षक, कल्पना का विस्तार और विचारपूर्ण अंत आवश्यक हैं। कल्पना को वैज्ञानिक संभावना के रूप में रखें; उसे वर्तमान की सिद्ध वास्तविकता न बताएँ।

चरण 1: प्रारूप और कल्पना की योजना शीर्षक के बाद भविष्य के किसी अंतरिक्ष-घर का दृश्य प्रस्तुत करें। खिड़की से पृथ्वी का दिखना, विशेष आवास में दैनिक जीवन और संसाधनों का पुन: उपयोग जैसे विवरण चुनें। फिर परिवार, पड़ोस और पृथ्वी से लगाव की भावना जोड़ें। अंत में यह विचार उभरे कि नए आवास मिलने पर भी पृथ्वी की रक्षा हमारा कर्तव्य रहेगी। विषय पर सामान्य निबंध लिखने के बजाय कल्पित संसार का अनुभव कराएँ। लेख में पत्र का पता, संबोधन या हस्ताक्षर नहीं आएगा। भाषा सहज रहे और प्रत्येक दृश्य मुख्य कल्पना से जुड़ा हो।

चरण 2: संपूर्ण आदर्श रचनात्मक लेख **सितारों के बीच मेरा घर**

सुबह आँख खुली तो खिड़की के बाहर नीली पृथ्वी मुसकरा रही थी। मेरा घर अंतरिक्ष में था! पारदर्शी गुंबद के भीतर छोटे-छोटे बगीचे थे। यहाँ हवा और पानी का बार-बार उपयोग होता था। हर बूँद बचाना हमारी आदत बन गया था। विद्यालय जाने के लिए मैं एक छोटी यात्री-यान सेवा में बैठा। रास्ते में मित्र मिले तो हमने पृथ्वी पर बिताई छुट्टियों की बातें कीं। शाम को परिवार के साथ दूर चमकते तारों को देखा। सुविधाएँ बहुत थीं, पर खुली हवा, मिट्टी की खुशबू और बरसात याद आती थी। तब समझा कि अंतरिक्ष में घर बन जाने पर भी पृथ्वी का स्थान कोई नहीं ले सकेगा। नई दुनिया बसाएँगे, लेकिन अपने पहले घर को भी सहेजेंगे।

चरण 3: निष्कर्ष लेख अंतरिक्ष के भावी जीवन की कल्पना को दैनिक अनुभवों से जोड़ता है और पृथ्वी के प्रति आत्मीयता तथा जिम्मेदारी का भाव व्यक्त करता है।

त्वरित सुझाव: भविष्य की कल्पना में दो-तीन नए दृश्य और एक मानवीय भावना जोड़ें; केवल सुविधाओं की सूची देने के बजाय जीवन का अनुभव प्रस्तुत करें।

9(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में कल्पना, अनुभूति और घटनाक्रम का स्वाभाविक मेल होना चाहिए। स्वप्न की घटना को प्रथम पुरुष में लिखने से अनुभव सजीव बनता है।
- दिए गए विषय में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट केंद्र में रहे। हास्य के साथ कोई सार्थक जीवन-संदेश आए, पर लेख उपदेशों की सूची न बने।

चरण 1: रूपरेखा और प्रस्तुति शीर्षक के बाद रात में स्वप्न आने की भूमिका, कलाकार से भेंट, छोटा संवाद और जागने का प्रसंग रखें। संवाद संक्षिप्त और सहज हों। लगभग 120 शब्दों के लेख में एक ही घटना विकसित करें; अनावश्यक जीवन-परिचय न जोड़ें।

चरण 2: कल्पना और भाषा का निर्वाह स्वप्न में असाधारण भेंट संभव है, फिर भी बातचीत मानवीय और विश्वसनीय रखनी चाहिए। कलाकार की हाजिरजवाबी किसी की शारीरिक विशेषता या दुर्बलता पर उपहास करने के बजाय अपनी चिंता पर हलका व्यंग्य करती है। इससे लेख में संवेदनशीलता बनी रहती है। अंत में माँ का जगाना स्वप्न से वास्तविक जीवन में लौटने का स्वाभाविक संकेत है। शीर्षक विषय को स्पष्ट करता है तथा प्रथम पुरुष की शैली पाठक को कथावाचक के अनुभव से जोड़ती है। नीचे दिए नमूने का मुख्य भाग लगभग निर्धारित शब्द-सीमा में है।

चरण 3: संपूर्ण नमूना रचनात्मक लेख **स्वप्न में प्रिय हास्य कलाकार से भेंट**

कल रात पढ़ते-पढ़ते कब आँख लग गई, पता ही नहीं चला। अचानक देखा कि मैं एक सभागार में बैठा हूँ और सामने मेरे प्रिय हास्य कलाकार खड़े हैं। उन्होंने मुझे मंच पर बुलाकर पूछा, "इतने गंभीर क्यों हो? क्या मुसकराने पर भी परीक्षा होती है? पूरा सभागार हँस पड़ा। मैंने कहा, "पढ़ाई की चिंता रहती है। वे बोले, "मेहनत करो, लेकिन चिंताओं को अपना मालिक मत बनाओ। फिर उन्होंने अपनी भूलों के ऐसे मजेदार किस्से सुनाए कि मैं हँसते-हँसते लोटपोट हो गया। जाते समय उन्होंने कहा, "हँसी वही अच्छी है जो किसी का दिल न दुखाए। तभी माँ ने जगाया। कलाकार तो जा चुके थे, पर उनका संदेश मेरे चेहरे पर मुसकान बनकर रह गया।

चरण 4: निष्कर्ष यह लेख स्वप्न, रोचक संवाद और जागने की घटना को जोड़ते हुए स्वस्थ हास्य तथा प्रसन्न रहने का संदेश प्रस्तुत करता है।

त्वरित सुझाव: स्वप्न के लेख में शुरुआत और जागने का अंत स्पष्ट रखें; बीच में एक छोटा संवाद घटना को जीवंत बना देता है।

10(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन का अर्थ स्पष्ट करते हुए श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन का अंतर लिखिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आंबेडकर श्रम-विभाजन को सामाजिक कार्यों के बँटवारे के रूप में स्वीकार करते हैं, किंतु जाति-प्रथा द्वारा मनुष्यों के स्थायी वर्गीकरण का विरोध करते हैं।
- उत्तर में काम बाँटने और जन्म के आधार पर काम करने वालों को बाँटने का अंतर स्पष्ट करना आवश्यक है।

चरण 1: श्रम-विभाजन का आशय समाज में अनेक प्रकार के काम आवश्यक होते हैं। उनकी पूर्ति के लिए कार्यों का अलग-अलग व्यक्तियों में बँटना श्रम-विभाजन है। यदि यह योग्यता, रुचि और क्षमता के अनुसार हो तथा व्यक्ति को व्यवसाय बदलने की स्वतंत्रता मिले, तो यह उपयोगी सामाजिक व्यवस्था है।

चरण 2: श्रमिक-विभाजन की समस्या जाति-प्रथा कार्यों का सहज बँटवारा नहीं करती; वह श्रमिकों को जन्म के अनुसार अलग-अलग वर्गों में बाँध देती है। इसमें ऊँच-नीच का क्रम होता है और अपनी क्षमता या इच्छा से पेशा चुनने की स्वतंत्रता बाधित होती है। इसलिए इसे केवल श्रम-विभाजन कहकर उचित नहीं ठहराया जा सकता।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर श्रम-विभाजन का अर्थ समाज के विभिन्न कार्यों को योग्यता और आवश्यकता के अनुसार बाँटना है। इसमें कार्य-चयन तथा परिवर्तन की स्वतंत्रता हो सकती है। इसके विपरीत जाति-प्रथा श्रमिकों का जन्म के आधार पर विभाजन करती है। वह उन्हें ऊँच-नीच के स्थायी वर्गों में बाँधकर उनकी रुचि, क्षमता और स्वतंत्र व्यवसाय-चयन की उपेक्षा करती है।

चरण 4: निष्कर्ष श्रम-विभाजन कार्यों का उपयोगी बँटवारा है; जातिगत श्रमिक-विभाजन मनुष्यों पर जन्म से लगाया गया असमान बंधन है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में कार्य बनाम व्यक्ति, योग्यता बनाम जन्म और स्वतंत्रता बनाम बंधन—इन अंतरों को जोड़ें।

10(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने शिरीष के संदर्भ में गाँधी जी का उल्लेख क्यों किया है ? दोनों के बीच समानता का आधार स्पष्ट कीजिए।

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- हजारी प्रसाद द्विवेदी शिरीष की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सरस बने रहने की क्षमता को मनुष्य के लिए प्रेरक मानते हैं।
- गाँधीजी और शिरीष की तुलना का आधार बाहरी संकटों के बीच अंत:शक्ति, कोमलता और लोकमंगल की भावना बनाए रखना है।

चरण 1: शिरीष की विशेषता समझें शिरीष भीषण गर्मी और लू में भी खिलता है। बाहर का ताप उसके फूलों की कोमलता और सरसता को नष्ट नहीं कर पाता। लेखक उसे विपरीत परिस्थितियों से पराजित न होने वाली जीवन-शक्ति का प्रतीक बनाते हैं। यह केवल वनस्पति का वर्णन नहीं, जीवन-दृष्टि का संकेत भी है।

चरण 2: गाँधीजी से समानता जोड़ें गाँधीजी हिंसा, वैमनस्य और अशांति के वातावरण में भी सत्य, अहिंसा और प्रेम के आदर्शों पर अडिग रहे। बाहरी कठोरता ने उनके मानवीय हृदय को कठोर नहीं बनाया। शिरीष की तरह वे अपने भीतर की शक्ति से परिस्थितियों का सामना करते और दूसरों के जीवन में आशा जगाते रहे।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर लेखक ने गाँधीजी का उल्लेख इसलिए किया है कि वे शिरीष की तरह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपनी सरसता बनाए रखते थे। शिरीष भीषण गर्मी में कोमल फूल देता है; गाँधीजी हिंसा और अशांति के बीच सत्य, अहिंसा तथा प्रेम का संदेश देते रहे। दोनों में बाहरी कठिनाइयों से अप्रभावित रहकर अपनी आंतरिक शक्ति और कोमलता बनाए रखने की समानता है।

चरण 4: निष्कर्ष शिरीष और गाँधीजी दोनों प्रतिकूलता में भी कोमल, अडिग और जीवनदायी बने रहने की प्रेरणा देते हैं।

त्वरित सुझाव: तुलना को गर्मी में खिलते शिरीष और हिंसा के बीच प्रेम बनाए रखने वाले गाँधीजी के उदाहरण से स्पष्ट करें।

10(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर राजपहलवान होने पर भी लुट्टन की दुर्गति का कारण लिखिए। लुट्टन के जीवन का यह परिवर्तन किस ओर संकेत करता है ?

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- राजाश्रय का अंत और लोककलाकार की असुरक्षा।
- पाठ के प्रसंग और लेखक के संकेत को जोड़कर प्रश्न के सभी पक्षों का उत्तर देना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए लुट्टन की प्रतिष्ठा और जीविका राजा के संरक्षण पर निर्भर थी। उसका राजपहलवान होना स्थायी आर्थिक सुरक्षा नहीं था। कहानी में सत्ता बदलने से उसकी दशा भी बदल जाती है। इस प्रकार उसकी निजी सफलता दरबार की कृपा पर टिकी थी, अपने स्वतंत्र साधनों पर नहीं।

चरण 2: आशय और कारण स्पष्ट कीजिए नए राजकुमार की रुचि विलायती खेलों में थी; उसने पहलवानी का आश्रय समाप्त कर दिया। लुट्टन पुत्रों सहित गाँव लौटा। वहाँ गरीबी, अकाल और महामारी के बीच उसका जीवन असुरक्षित हो गया।

चरण 3: परीक्षोपयोगी उत्तर पुराने राजा की मृत्यु पर नए राजकुमार ने पहलवानी का संरक्षण समाप्त कर दिया, क्योंकि उसे आधुनिक खेल पसंद थे। लुट्टन अपने पुत्रों सहित गाँव लौटा और गरीबी, अकाल तथा महामारी से घिर गया। यह परिवर्तन राजाश्रित लोककलाओं और कलाकारों की असुरक्षा तथा बदलती अभिरुचियों के कारण उनकी उपेक्षा की ओर संकेत करता है।

चरण 4: निष्कर्ष पुराने राजा की मृत्यु पर नए राजकुमार ने पहलवानी का संरक्षण समाप्त कर दिया, क्योंकि उसे आधुनिक खेल पसंद थे। लुट्टन अपने पुत्रों सहित गाँव लौटा और गरीबी, अकाल तथा महामारी से घिर गया। यह परिवर्तन राजाश्रित लोककलाओं और कलाकारों की असुरक्षा तथा बदलती अभिरुचियों के कारण उनकी उपेक्षा की ओर संकेत करता है।

त्वरित सुझाव: राजपहलवान की दुर्गति बताते समय संरक्षण समाप्त होने का कारण और लोककला की उपेक्षा का संकेत दोनों लिखिए।

11(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि पैसे की पावर का रस किन दो रूपों में प्राप्त किया जा सकता है। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पैसे की क्रयशक्ति और संचय का गर्व।
- पाठ के प्रसंग और लेखक के संकेत को जोड़कर प्रश्न के सभी पक्षों का उत्तर देना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए धन की शक्ति का एक अनुभव उसके खर्च से जुड़ा है। मनुष्य माल-असबाब, मकान-कोठी और विविध वस्तुएँ खरीदकर अपनी सामर्थ्य का आनंद लेता है। यहाँ पैसे की शक्ति वस्तुओं के रूप में दिखाई देती है।

चरण 2: आशय और कारण स्पष्ट कीजिए दूसरा अनुभव धन को संचित रखने से होता है। व्यक्ति पैसे का उपयोग न करते हुए भी उसके पास होने और अपनी संपन्नता पर गर्व करता है। इसलिए पैसे का रस केवल सामान खरीदने तक सीमित नहीं है।

चरण 3: परीक्षोपयोगी उत्तर पैसे की पावर का रस एक तो माल-असबाब, मकान-कोठी और अन्य वस्तुएँ खरीदकर मिलता है। दूसरे, पैसा खर्च किए बिना उसे संचित रखकर भी व्यक्ति अपनी संपन्नता और आर्थिक सामर्थ्य का गर्व अनुभव कर सकता है।

चरण 4: निष्कर्ष पैसे की पावर का रस एक तो माल-असबाब, मकान-कोठी और अन्य वस्तुएँ खरीदकर मिलता है। दूसरे, पैसा खर्च किए बिना उसे संचित रखकर भी व्यक्ति अपनी संपन्नता और आर्थिक सामर्थ्य का गर्व अनुभव कर सकता है।

त्वरित सुझाव: दोनों रूप अलग लिखिए: वस्तुओं पर धन खर्च करने का आनंद और धन अपने पास रहने का गर्व।

11(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में बँध न सकी।' 'भक्तिन' पाठ के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- नाम के अर्थ और जीवन की वास्तविकता का विरोध।
- पाठ के प्रसंग और लेखक के संकेत को जोड़कर प्रश्न के सभी पक्षों का उत्तर देना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए भक्तिन का वास्तविक नाम लछमिन था, जिसका संबंध धन की देवी लक्ष्मी से है। किंतु नाम से मिलने वाला समृद्धि का बोध उसके वास्तविक जीवन में नहीं उतर सका। कथन में इसी विरोध को व्यक्त किया गया है।

चरण 2: आशय और कारण स्पष्ट कीजिए उसका जीवन आर्थिक अभाव, पारिवारिक कठिनाइयों और संघर्ष से भरा रहा। कपाल की कुंचित रेखाएँ उसके दुर्भाग्य और कठिन जीवन की प्रतीक हैं। कथन का आशय उसके नाम और निर्धन जीवन के बीच की विडंबना है।

चरण 3: परीक्षोपयोगी उत्तर भक्तिन का नाम लछमिन अर्थात लक्ष्मी था, पर धन की देवी से जुड़ा नाम होने पर भी उसे समृद्धि नहीं मिली। उसके भाग्य में अभाव, कठिनाइयाँ और संघर्ष रहे। कथन उसके नाम तथा वास्तविक निर्धन जीवन के विरोध को स्पष्ट करता है।

चरण 4: निष्कर्ष भक्तिन का नाम लछमिन अर्थात लक्ष्मी था, पर धन की देवी से जुड़ा नाम होने पर भी उसे समृद्धि नहीं मिली। उसके भाग्य में अभाव, कठिनाइयाँ और संघर्ष रहे। कथन उसके नाम तथा वास्तविक निर्धन जीवन के विरोध को स्पष्ट करता है।

त्वरित सुझाव: इस कथन में लछमिन नाम के समृद्धिसूचक अर्थ की तुलना उसके अभावग्रस्त वास्तविक जीवन से कीजिए।

11(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

शिरीष के फलों की तुलना किससे और क्यों की गई है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पुराने फलों और सत्ता से चिपके नेताओं की तुलना।
- पाठ के प्रसंग और लेखक के संकेत को जोड़कर प्रश्न के सभी पक्षों का उत्तर देना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए शिरीष के पुराने फल अपनी डालियों से मजबूती से चिपके रहते हैं। नए फल-पत्ते आने पर भी वे अपने आप स्थान खाली नहीं करते। यह जड़ता और परिवर्तन को स्वीकार न करने की प्रवृत्ति का चित्र है।

चरण 2: आशय और कारण स्पष्ट कीजिए लेखक को इनमें उन नेताओं का रूप दिखाई देता है जो समय बीत जाने और नई पीढ़ी के तैयार हो जाने पर भी अधिकार नहीं छोड़ते। तुलना रूप-सौंदर्य की नहीं, पुराने स्थान से चिपके रहने की आदत की है।

चरण 3: परीक्षोपयोगी उत्तर शिरीष के पुराने फलों की तुलना उन नेताओं से की गई है जो अपना समय समाप्त होने पर भी पद नहीं छोड़ते। जैसे सूखे फल नए फल-पत्तों के धक्के से ही गिरते हैं, वैसे ही ये नेता नई पीढ़ी को सहजता से स्थान नहीं देते।

चरण 4: निष्कर्ष शिरीष के पुराने फलों की तुलना उन नेताओं से की गई है जो अपना समय समाप्त होने पर भी पद नहीं छोड़ते। जैसे सूखे फल नए फल-पत्तों के धक्के से ही गिरते हैं, वैसे ही ये नेता नई पीढ़ी को सहजता से स्थान नहीं देते।

त्वरित सुझाव: तुलना में केवल नेता लिखना पर्याप्त नहीं; पुराने फलों और नेताओं में पद से चिपके रहने की समानता बताइए।

12(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए कि अपाहिज व्यक्ति की शब्दहीन पीड़ा को मीडियाकर्मी किस प्रकार अभिव्यक्त करना चाहता है। क्या वह अपने उद्देश्य में सफल हो पाता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- मीडिया की संवेदनहीनता और पीड़ा का प्रदर्शन।
- पाठ के प्रसंग और लेखक के संकेत को जोड़कर प्रश्न के सभी पक्षों का उत्तर देना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए मीडियाकर्मी अपाहिज व्यक्ति के दुःख को सहज ढंग से समझने के स्थान पर उसे प्रश्नों से कुरेदता है। वह उसकी असमर्थता और निजी पीड़ा पर जोर देकर ऐसी प्रतिक्रिया चाहता है जो दर्शकों को भावुक कर सके।

चरण 2: आशय और कारण स्पष्ट कीजिए वह रोने के लिए उकसाता है और कैमरे से सूजे हुए चेहरे तथा आँखों को बड़ा करके दिखाना चाहता है। पर पीड़ित की अनुभूति को अपनी तय योजना के अनुसार कहलवा नहीं पाता। कार्यक्रम का समय समाप्त होना उसकी विफलता दिखाता है; कवि इसी संवेदनहीन प्रदर्शन पर व्यंग्य करता है।

चरण 3: परीक्षोपयोगी उत्तर मीडियाकर्मी अपाहिज से पीड़ादायक प्रश्न पूछकर उसे रुलाना चाहता है। वह कैमरे से उसके सूजे चेहरे और आँखों का बड़ा चित्र दिखाकर दर्शकों में करुणा जगाने की कोशिश करता है। किंतु पीड़ित की वास्तविक, शब्दहीन पीड़ा उसकी तय पटकथा में व्यक्त नहीं होती। कार्यक्रम का समय समाप्त हो जाता है; अतः मानवीय संवेदना व्यक्त करने के उद्देश्य में वह सफल नहीं होता।

चरण 4: निष्कर्ष मीडियाकर्मी अपाहिज से पीड़ादायक प्रश्न पूछकर उसे रुलाना चाहता है। वह कैमरे से उसके सूजे चेहरे और आँखों का बड़ा चित्र दिखाकर दर्शकों में करुणा जगाने की कोशिश करता है। किंतु पीड़ित की वास्तविक, शब्दहीन पीड़ा उसकी तय पटकथा में व्यक्त नहीं होती। कार्यक्रम का समय समाप्त हो जाता है; अतः मानवीय संवेदना व्यक्त करने के उद्देश्य में वह सफल नहीं होता।

त्वरित सुझाव: उत्तर में प्रश्नों से कुरेदना, चेहरे का बड़ा चित्र और तयशुदा भावुकता की विफलता को आपस में जोड़िए।

12(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'मैं पेंच खोलने की बजाए

उसे बेतरह कसता चला जा रहा था'

— उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर लिखिए कि 'भाषा में पेंच कसना' का क्या अभिप्राय है। इसका क्या परिणाम निकला ? कवि पेंच क्यों कसता चला गया ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- भाषा का उद्देश्य कथ्य को सहज और स्पष्ट रूप में पाठक तक पहुँचाना है; अनावश्यक शब्दजाल अभिव्यक्ति को कठिन बना देता है।
- कविता में पेंच और चूड़ी का रूपक भाषा तथा बात के संबंध को समझाता है। सहज बात को कृत्रिम ढंग से सजाने पर उसका प्रभाव घटता है।

चरण 1: पेंच कसने का आशय समझें भाषा में पेंच कसना सरल बात को जटिल शब्दों, बनावटी शैली और अनावश्यक प्रयोगों में उलझाना है। कवि बात को अधिक प्रभावशाली बनाना चाहता था, पर इसके लिए वह भाषा को सहज रखने के बजाय लगातार कठिन बनाता रहा। यहाँ पेंच कसना किसी वास्तविक यंत्र की मरम्मत नहीं, अभिव्यक्ति की प्रक्रिया का रूपक है।

चरण 2: परिणाम और कारण पहचानें अतिरिक्त प्रयास से बात की चूड़ी मर जाने का संकेत मिलता है: कथ्य और भाषा का स्वाभाविक मेल टूट गया। मूल बात का प्रभाव और स्पष्टता नष्ट हो गई। कवि को लगा कि कुछ और प्रयास से बात बन जाएगी; भाषिक कौशल दिखाने के मोह और अपनी सफलता की आशा ने उसे रोकने के बजाय और उलझाया। तमाशबीनों की वाहवाही से उसे अपने प्रयास की सफलता का भ्रम हुआ और वह उसी जटिलता को बढ़ाता गया।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर भाषा में पेंच कसना सीधी बात को अनावश्यक शब्दों और कृत्रिम प्रयोगों से जटिल बनाना है। इससे बात की चूड़ी मर गई, अर्थात् उसका सहज अर्थ और प्रभाव नष्ट हो गया। कवि अभिव्यक्ति को प्रभावशाली बनाने के मोह में उलझा था। तमाशबीनों की वाहवाही से उसे सफलता का भ्रम हुआ, इसलिए वह पेंच कसता चला गया।

चरण 4: निष्कर्ष सहज कथ्य पर कृत्रिम भाषा का दबाव पड़ने से अभिव्यक्ति बिगड़ गई; अतिरिक्त प्रयास की आशा ने यह उलझाव बढ़ाया।

त्वरित सुझाव: उत्तर में तीन बिंदु अलग रखें: पेंच का अर्थ, बात पर उसका परिणाम और कवि के लगातार प्रयास का कारण।

12(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

चिड़िया, फूल और बच्चों की उड़ान के साथ कविता की तुलना करते हुए कवि ने कविता को किसके समान बताया है और क्यों ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता कल्पना और संवेदना की ऐसी उड़ान है जिसे स्थान, समय या किसी एक व्यक्ति की सीमा में नहीं बाँधा जा सकता।
- चिड़िया और फूल की सीमाओं के सामने बच्चों के निष्कपट, भेदरहित खेल से कविता का निकट संबंध उभरता है।

चरण 1: चिड़िया और फूल की सीमा स्पष्ट करें चिड़िया की उड़ान की एक भौतिक सीमा है; वह कविता की कल्पनात्मक उड़ान नहीं समझ सकती। फूल खिलता और महकता है, पर उसका जीवन सीमित है। कविता का खिलना पाठकों की अनुभूति में बार-बार नया होता है। इसलिए इन दोनों उपमानों के माध्यम से कवि कविता की सीमा से परे जाने की क्षमता बताता है।

चरण 2: बच्चों से समानता का आधार दें बच्चे खेलते हुए अपने और पराए घर का भेद भुला देते हैं। उनका खेल सहज है और उसमें अपनत्व का विस्तार होता है। कविता भी मनुष्यों को जोड़ती है, संकीर्ण विभाजनों को पार करती है और सबको अपनी अनुभूति में समेट सकती है। बच्चों के खेल से यह समानता कविता की मानवीय और व्यापक प्रकृति खोलती है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कवि ने कविता को बच्चों के खेल के समान बताया है। चिड़िया की उड़ान और फूल का खिलना सीमित हैं, जबकि कविता की कल्पना और प्रभाव असीम हैं। बच्चे खेल में अपने-पराए घर का भेद मिटाकर सबको एक कर देते हैं। इसी

तरह कविता भी संकीर्ण सीमाएँ पार करके मनुष्यों को जोड़ती है और व्यापक आत्मीयता का संसार रचती है।

चरण 4: निष्कर्ष कविता बच्चों के खेल जैसी सहज और भेदरहित है; उसकी कल्पना चिड़िया की उड़ान और फूल के जीवन की सीमाओं से आगे जाती है।

त्वरित सुझाव: केवल कविता को उड़ान न कहें; बच्चों के खेल में अपने-पराए का भेद मिटने को तुलना का मुख्य आधार बनाएँ।

13(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि का दृष्टिकोण सांसारिक मनुष्यों से किस प्रकार भिन्न है। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कवि का आत्मपरिचय प्रेम, संवेदना और अपनी अंतरात्मा के अनुरूप जीने की स्वतंत्रता पर आधारित है।
- संसार की संग्रह-वृत्ति और कवि की आत्मीय अनुभूति के बीच अंतर कविता के कथनों से समझना चाहिए।

चरण 1: दो दृष्टिकोणों का अंतर पहचानें सांसारिक मनुष्य सामान्यत: संपत्ति, प्रतिष्ठा और बाहरी उपलब्धियों को जीवन की सफलता मानते हैं। कवि की प्राथमिकता अपने हृदय का प्रेम और भाव-संसार है। संसार से उसका संबंध है, किंतु वह उसकी अपेक्षाओं के कारण अपना व्यक्तित्व खोना नहीं चाहता। इसीलिए कवि जग की स्वीकृति को अपनी भावनाओं की कसौटी नहीं बनाता।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर सांसारिक मनुष्य धन, यश और सुख-सुविधाओं के संग्रह को महत्त्व देते हैं। कवि प्रेम, संवेदना और हृदय की स्वतंत्रता को मूल्यवान मानता है। वह संसार के दबाव में अपना स्वरूप बदलने के बजाय अपने मन के अनुरूप जीवन जीता है।

चरण 3: निष्कर्ष कवि बाहरी संग्रह और प्रतिष्ठा की अपेक्षा प्रेमपूर्ण, स्वतंत्र आंतरिक जीवन को अधिक महत्त्व देता है।

त्वरित सुझाव: तुलना में संसार की संग्रह-वृत्ति और कवि के प्रेममय स्वतंत्र जीवन, दोनों पक्ष स्पष्ट लिखें।

13(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :
'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत के आधार पर लिखिए कि कौन-सा विचार दिन ढलते समय चिड़िया के परों में तीव्रता भर देता है।
[2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- गीत में दिन ढलना घर लौटने की आतुरता को तीव्र करता है; पक्षियों के माध्यम से आत्मीय संबंधों की प्रेरक शक्ति व्यक्त होती है।
- चिड़िया की गति का कारण उसके बच्चों की प्रतीक्षा और उनसे मिलने की मातृसुलभ उत्कंठा है।

चरण 1: चिड़िया की मनोदशा समझें संध्या निकट आने पर चिड़िया को अपने बच्चों का ध्यान आता है। बच्चे घोंसले में उसकी राह देख रहे होंगे और मिलने को उत्सुक होंगे। यही स्मरण उसके परों में चंचलता भरता है; केवल अँधेरा होने की सामान्य सूचना इस भाव का पूरा कारण नहीं है। इस प्रकार घर का आत्मीय आकर्षण उसकी उड़ान को तेज कर देता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर दिन ढलते समय चिड़िया सोचती है कि उसके बच्चे घोंसले में उसकी प्रतीक्षा कर रहे होंगे और उसे देखकर मिलने को उत्सुक होंगे। बच्चों के प्रति ममता तथा शीघ्र उनके पास पहुँचने की उत्कंठा उसके परों में तीव्रता भर देती है।

चरण 3: निष्कर्ष घोंसले में प्रतीक्षारत बच्चों का विचार चिड़िया को शीघ्र घर लौटने के लिए प्रेरित करता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में बच्चों की प्रतीक्षा और चिड़िया की ममता को जोड़ें; केवल सूर्यास्त को गति का कारण न लिखें।

13(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

शरदकालीन सुबह की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है ? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्रकृति-चित्रण में उपमान और तुलना का आधार साथ बताना आवश्यक है; यहाँ उजाला और चमक मुख्य गुण हैं।
- पतंग कविता में शरद की सुबह का चमकीला, ताजगीभरा रूप बच्चों के उत्साह के अनुकूल वातावरण रचता है।

चरण 1: उपमान और गुण पहचानें शरदकालीन सुबह की तुलना खरगोश की आँखों से की गई है। कविता में सुबह का लालिमा और चमक से भरा रूप उभरता है। खरगोश की आँखों की चमक इस ताजे, स्वच्छ और उज्ज्वल प्रकाश को मूर्त बनाती है; उत्तर का केंद्र यही दृश्य समानता है। यह उपमा सुबह को सजीव और कोमल बनाती है। सूर्योदय की लालिमा तथा स्वच्छ आकाश के प्रकाश से शरद का मनोहारी दृश्य उभरता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर शरदकालीन सुबह की तुलना खरगोश की आँखों से की गई है। जैसे खरगोश की आँखें लालिमा लिए चमकती हैं, वैसे ही शरद की सुबह लालिमा, ताजगी और उज्ज्वल प्रकाश से भरी दिखाई देती है। दोनों की चमक इस तुलना का आधार है।

चरण 3: निष्कर्ष खरगोश की आँखों और शरद की सुबह की चमक तथा लालिमा में समानता दिखाई गई है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में उपमान का नाम लिखकर चमक और लालिमा का आधार बताएँ; केवल सुंदर सुबह कहना पर्याप्त नहीं है।